दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

शुक्रवार 01 अगस्त 2025
सूर्योदय प्रात: 05 :43 बजे
सूर्यास्त सांय 19 : 13 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 287 | गाजियाबाद, शुक्रवार 01 अगस्त 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

लोस और रास हंगामे की भेंट चढ़े, कार्यवाही स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विपक्षी सांसदों के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। लोकसभा में कार्यवाही शुरू होने के बाद सदन ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को जीएसएलवी रॉकेट से 'निसार' उपग्रह को कक्षा में स्थापित करने के लिए बधाई दी गई।

वहीं राज्य सभा में विपक्षी सदस्य बिहार में हो रहे गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चर्चा की मांग की। इसको लेकर विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया। इसे देखते हुए सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

लोकसभा में कार्यवाही शुरू होने के बाद विपक्षी सदस्य अपनी मांगों को लेकर वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे। अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि क्या वो मुद्दों पर चर्चा नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि क्या जनता ने उन्हें सदन में नारे लगाने के लिए चुना है।उन्होंने प्रदर्शन कर रहे सदस्यों से अपनी सीट पर जाकर बैठने को कहा।

लेकिन सदस्य अपनी जगह पर नहीं गए। वो नारे लगाते रहे। इस पर अध्यक्ष ने कहा कि सदन चर्चा के लिए है और कुछ सदस्यों का

व्यवहार उचित नहीं है। इसके साथ ही उन्होंने सदन की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

गुरुवार को राज्य सभा में क्या हुआ

वहीं राज्य सभा में भी ऐसे ही देखने को मिला। विपक्षी सदस्यों ने बिहार में चुनाव आयोग की ओर से कराए जा रहे एसआईआर पर चर्चा की मांग की। विपक्ष के सदस्य इसको लेकर नारेबाजी कर रहे थे, इस वजह से सदन में कोई विधायी कार्य नहीं हो सका।

उपसभापति हरिवंश ने विपक्षी सदस्यों से सदन की कार्यवाही चलने देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी से मानसून सत्र के शुरू से ही समय का नुकसान हो रहा है।

उन्होंने सदस्यों से विधायी कार्य करने देने में सहयोग की अपील की। लेकिन विपक्षी सदस्यों ने शोर-शराबा कम नहीं किया। वो एसआईआर पर चर्चा कराने की मांग पर अड़े रहे। इसके बाद उन्होंने सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित कर दी। दोबारा कार्यवाही शुरू होने पर भी शोर-शराबा होता रहा। इस पर कार्यवाही दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

रॉबर्ट वाड्रा को नोटिस जारी करने पर 2 अगस्त तक टला फैसला

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को हरियाणा के शिकोहपुर में एक भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रॉबर्ट वाड्रा को नोटिस जारी करने के फैसले को 2 अगश्त तक टाल दिया।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अभियोजन शिकायत दर्ज की थी, जिसमें दावा किया गया था कि वाड्रा की स्काईलाइट हॉस्पिटैलिटी ने हरियाणा के गुरुग्राम जिले के शिकोहपुर गांव में स्थित 3.53 एकड़ जमीन धोखाधड़ी से खरीदी है।

इस मामले में गुरुवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट को फैसला सुनाना था, जिसे 2 अगश्त तक के लिए फैसला टाल दिया गया। पिछले हफ्ते, ट्रायल कोर्ट ने कांग्रेस सांसद रॉबर्ट वाड्रा को नोटिस जारी करने के मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा था।

सुनवाई के दौरान, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के वकील ने कहा कि बिक्री दस्तावेज में गलत तरीके से 7.5 करोड़ रुपए के भुगतान का जिक्र किया गया, जबकि वाश्तव में ऐसा कोई भुगतान नहीं हुआ था। उन्होंने बताया कि यह राशि बाद में दी गई थी, ताकि स्टांप ड्यूटी से बचा जा सके और मुख्य गवाहों ने इसकी पुष्टि की है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दावा किया कि वाड्रा ने अपने निजी प्रभाव का इश्तेमाल करके खरीदी गई जमीन पर व्यावसायिक लाइसेंस प्राप्त किया। ईडी के अनुसार, इस जमीन को बाद में डीएलएफ को ऊंची कीमत पर बेचा गया। इसी साल अप्रैल में ईडी ने वाड्रा से कई बार पूछताछ की। इस दौरान उनका बयान भी दर्ज किया गया।

फरवरी 2008 में, जब हरियाणा में कांग्रेस की सरकार थी और भूपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्यमंत्री थे, तब यह जमीन खरीद का सौदा हुआ था।

मालेगांव बम विस्फोट मामले में सातों आरोपी बरी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय जाँच एजेंसी (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने मालेगांव में हुए बम विस्फोट के 17 वर्ष बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर सहित सभी सात आरोपियों को गुरुवार को बरी कर दिया। अदालत ने सुश्री ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय (सेवानिवृत्त), अजय राहिरकर, समीर कुलकर्णी, सुधाकर चतुर्वेदी और सुधाकर धर द्विवेदी को बरी कर दिया है।

एनआईए अदालत की अध्यक्षता कर रहे विशेष न्यायाधीश ए के लाहोटी ने सभी आरोपियों को बरी करने की घोषणा करते हुए कहा,"आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता क्योंकि कोई भी धर्म हिंसा को उचित नहीं ठहरा सकता।"

अधिवक्ता रंजीत नायर ने कहा,"मैं आरोपी संख्या 11 सुधाकर चतुर्वेदी की तरफ से मामले की पैरवी कर रहा था। अदालत ने उसे इस आधार पर बरी कर दिया है कि अभियोजन पक्ष उसके खिलाफ कोई सबूत पेश नहीं कर सका।" अधिवक्ता प्रकाश सालसिंगिकर ने मीडिया को बताया,"अदालत ने कहा है कि यह घटना बहुत बुरी है। हालांकि, इस घटना में जिन लोगों की जानें गयी हैं उनकी क्षतिपूर्ति नहीं की जा सकती, लेकिन अदालत ने सभी के परिजनों को वित्तीय मदद देने का आदेश दिया है।"

इस फैसले से पहले दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय के आसपास कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे और न्यायालय परिसर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। गौरतलब है कि 29 सितंबर, 2008 की रात मालेगांव के भिक्कू चौक के पास हुए विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और सौ से ज़्यादा घायल हुए थे।

यह बम एक एक मोटरसाइकिल में लगाया गया था। इस विस्फोट से सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील इस शहर में दहशत और अफरा-तफरी मच गई। इस मामले में पहले महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दशते ने जाँच की थी लेकिन वर्ष 2011 में इस मामले को एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया था।

एनआईए ने इस मामले को फिर से दर्ज किया और जांच की थी। तब से, कई आरोपपत्र और पूरक रिपोर्ट दायर की जा चुकी हैं। इस मामले के सातों आरोपियों के खिलाफ औपचारिक रूप से आरोप तय होने के बाद वर्ष 2018 में मुकदमा शुरू हुआ था।

भारत, अरब अमीरात व्यापक रणनीतिक साझेदारी को अधिक मज़बूत बनाने को प्रतिबद्ध

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने गुरुवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार देर रात संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति महामहिम शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से टेलीफोन पर बात की। दोनों नेताओं ने भारत और अमीरात के बीच द्विपक्षीय व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मज़बूत करने प्रतिबद्धता दोहराते हुए द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया। उन्होंने दोनों देशों के लोगों के साझा लाभ के लिए सहयोग का दायरा बढ़ाने पर ज़ोर दिया। शेख मोहम्मद ने लंबे समय तक प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा करने पर श्री मोदी को हार्दिक बधाई दी और राष्ट्र की सेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की।

संसद में मिलकर करेंगे जनता की आवाज बुलंद : राहुल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन संसद में शिद्दत से जनता के मुद्दे रखेगा और उनकी आवाज बनकर काम करेगा। श्री गांधी ने सोशल मीडिया फेसबुक पर गुरुवार को एक संदेश ने कहा, "आज संसद में कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जी के साथ इंडिया गठबंधन के सदन के नेताओं जे साथ हुई बैठक में सम्मिलित हुआ।" उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के नेता निरंतर जन हित के मुद्दे उठाकर संघर्ष कर रहे हैं और उनका यह संघर्ष आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा, "हम मिलकर संसद में देश और जनता की आवाज़ बुलंद करते रहेंगे"

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह अगले उप सेना प्रमुख होंगे, 01 अगस्त को संभालेंगे कार्यभार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह अगले उप सेना प्रमुख (वीसीओएएस) होंगे। मौजूदा उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि सेना में 39 वर्षों की सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए। नए वीसीओएएस 01 अगश्त को अगले उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे। उन्हें लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में विदेशी युद्ध का अनुभव है। अगले उप सेना प्रमुख भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं और उन्हें दिसंबर, 1987 में 4 पैरा (विशेष बल) में कमीशन दिया गया था। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह 01 अगश्त को अगले उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे। तीन दशकों से भी अधिक के शानदार करियर के साथ उन्होंने ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन ऑर्किड में भाग लिया है। उन्हें लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में विदेशी युद्ध का अनुभव है। उन्होंने अप्रैल, 2022 में राइजिंग स्टार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला था। 2005 में स्थापित यह कोर हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के दक्षिण-पूर्व में कांगड़ा घाटी के योल छावनी शहर में स्थित है।

कौन होगा बीजेपी का नया बॉस ...राज्यों में अध्यक्ष बनने के बाद होगा तय

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कब मिलेगा, यह अभी स्पष्ट नहीं है। बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी हो सकता है जब करीब 50 प्रतिशत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में संगठनात्मक चुनाव पूरे हो जाएं।

खबरों के अनुसार, बीजेपी जल्दी ही उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में नए प्रदेश अध्यक्षों का ऐलान करेगी, जिसके बाद ही राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। इन राज्यों में संगठनात्मक चुनाव अभी पूरे नहीं हुए हैं या प्रदेश अध्यक्षों के कार्यकाल समाप्त हो गए हैं, जिससे राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में देरी हो रही है। फिलहाल भूपेंद्र सिंह चौधरी यूपी प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देख रहे हैं, लेकिन उनका कार्यकाल समाप्त हो चुका है। यह बीजेपी के लिए सबसे बड़ा और अहम राज्य है, इसलिए यहां की नियुक्ति पूरे संगठन पर असर डाल सकती है। इसके अलावा गुजरात में भी प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है और जल्द ही नए अध्यक्ष के नाम का ऐलान हो सकता है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य होने के कारण यह चयन बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

वहीं दक्षिण के राज्य कर्नाटक में संगठनात्मक चुनावों में देरी के कारण अभी तक नया प्रदेश अध्यक्ष नहीं चुना गया है। कर्नाटक दक्षिण भारत में बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। पूर्वोत्तर भारत के त्रिपुरा राज्य में राजीव भट्टाचार्य 2022 से प्रदेश अध्यक्ष हैं। अब पार्टी यहां भी नए नेतृत्व की ओर बढ़ रही है।

दरअसल बीजेपी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव तभी संभव है जब देश के आधे से ज्यादा राज्यों में संगठनात्मक चुनाव हो चुके हों। लेकिन अभी तक कई राज्यों, खासकर उत्तर प्रदेश, गुजरात, कर्नाटक और त्रिपुरा में यह प्रक्रिया अधूरी है।

इतना ही नहीं 21 जुलाई को उपराष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ के अप्रत्याशित इश्तीफे ने भी इस चुनाव प्रक्रिया को अधर में डाल दिया है। अब पार्टी का पूरा ध्यान नए उपराष्ट्रपति के चुनाव पर केंद्रित हो गया है।

तेलंगाना विधायकों की आयोग्यता विवाद पर विधानसभा अध्यक्ष तीन महीने में फैसला करें : SC

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर तीन महीने में निर्णय लेने का राज्य विधानसभा अध्यक्ष को गुरुवार को निर्देश दिया।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ यह निर्देश देते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस मुद्दे पर उनकी नोटिस के बाद विधानसभा अध्यक्ष ने सात महीने बाद ही संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि विधायक सुनवाई में शामिल होने में किसी तरह से कोई भी टालमटोल करते हैं, तो उनके खिलाफ प्रतिकूल निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि संसद को विधायकों की अयोग्यता की वर्तमान व्यवस्था की समीक्षा करनी चाहिए क्योंकि विधानसभा अध्यक्ष लोकतंत्र के लिए खतरा पैदा करने वाले दलबदलुओं के खिलाफ कार्रवाई को विफल करने के लिए ऐसी कार्यवाही (सुनवाई और फैसला) में अत्यधिक देरी करते हैं।

पीठ ने तेलंगाना उच्च न्यायालय की खंडपीठ के 22 नवंबर, 2024 के फैसले के खिलाफ दायर बीआरएस नेता पाडी कौशिक रेड्डी और के टी रामा राव की अपील को स्वीकार कर लिया।

शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें अध्यक्ष को चार हफ्तों के भीतर सुनवाई के लिए तारीखें तय करने के एकल पीठ के निर्देश को रद्द कर दिया गया था। दोनों बीआरएस नेताओं की याचिका में सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने वाले 10 विधायकों के खिलाफ लंबित अयोग्यता कार्यवाही पर तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष द्वारा समय पर कार्रवाई करने की मांग की गई थी। शीर्ष अदालत ने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्यता कार्यवाही में निर्णायक भूमिका में कार्य करते हैं।

अमेरिका को आत्मनिर्भरता से जवाब देगा भारत : मायावती

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ और अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क लगाने का ऐलान किया है। यह फैसला 1 अगश्त से लागू होगा। ट्रंप के इस ऐलान पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कड़ी प्रतिक्रिया दी।

मायावती ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मित्र देश बताने के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर 1 अगश्त से 25 प्रतिशत शुल्क और रूस से तेल आयात करने पर पेनाल्टी लगाने से संबंधित इस फैसले को केंद्र सरकार को एक अवसर के रूप में लेना चाहिए और आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम उठाकर देश की अर्थव्यवस्था को प्रभावित होने से बचाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों, छोटे व मझोले उद्योगों और राष्ट्रहित के साथ कोई समझौता न करने का आश्वासन दिया है और अब उसे इस वादे पर खरा उतरकर दिखाना होगा। मायावती ने आगे कहा कि भारत, जो दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है और जहां अधिकतर लोग गरीब व मेहनतकश हैं, वहां हर व्यक्ति को काम देने वाली नीतियों के सही अमल से देश आत्मनिर्भर बन सकता है। इससे न केवल 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' का लक्ष्य हासिल होगा, बल्कि संविधान के मानवतावादी और कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप जनता और देश का हित सुरक्षित रहेगा, जिससे भारत एक सुखी और समृद्ध राष्ट्र बन सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रूथ सोशल' पर कहा, "भारत हमेशा से रूस से अधिकांश सैन्य आपूर्ति खरीदता आया है और चीन के साथ मिलकर रूस से ऊर्जा खरीदने वाला सबसे बड़ा खरीदार है। ऐसे समय में जब पूरी दुनिया चाहती है कि रूस यूक्रेन में हत्याएं बंद करे, ये चीजें बिल्कुल भी अच्छी नहीं हैं। ये सब अच्छी चीजें नहीं हैं! इसलिए भारत को 25 प्रतिशत टैरिफ देना होगा, साथ ही उपरोक्त कारणों को लेकर जुर्माना भी देना होगा, जो 1 अगश्त से लागू होगा।

फिलीपींस के राष्ट्रपति अगले सप्ताह भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा पर आएंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड आर. मार्कोस जूनियर अगले महीने की चार तारीख को भारत की पांच दिन की राजकीय यात्रा पर आएंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही इस यात्रा में उनके साथ प्रथम महिला मैडम लुईस अरनेटा मार्कोस और एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें कई कैबिनेट मंत्री, अन्य गणमान्य व्यक्ति, वरिष्ठ अधिकारी और व्यापार प्रतिनिधि शामिल होंगे। राष्ट्रपति मार्कोस आठ अगश्त को फिलीपींस लौटने से पहले बेंगलुरु भी जाएँगे।

राष्ट्रपति का पदभार ग्रहण करने के बाद यह श्री मार्कोस की पहली भारत यात्रा होगी। प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति मार्कोस पांच अगश्त को द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। श्री मार्कोस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भी राष्ट्रपति मार्कोस से मुलाकात करेंगे।

भारत और फिलीपींस के बीच राजनयिक संबंध नवंबर 1949 में स्थापित हुए थे। तब से दोनों देशों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, समुद्री सहयोग, कृषि, स्वास्थ्य सेवा, फार्मास्यूटिकल्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों सहित कई क्षेत्रों में एक मजबूत साझेदारी विकसित की है। दोनों देश क्षेत्रीय स्तर पर भी घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं, जिसमें आसियान के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी भी शामिल है।

अमेरिका ने 6 भारतीय कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध, ईरान से पेट्रो प्रोडक्ट खरीदने का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

अमेरिका ने ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल उत्पादों का व्यापार करने के आरोप में भारत की 6 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

अमेरिका के ताजा प्रतिबंधों का सामने करने वाली भारत की इन 6 कंपनियों के साथ दुनिया भर की 20 कंपनियां शामिल हैं। माना जा रहा है कि ईरान पर दबाव बढ़ाने की कोशिशों के तहत अमेरिका का ये कदम उठाया है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने प्रतिबंधों की घोषणा करते हुए कहा कि भारत की 6 कंपनियों समेत दुनिया की 20 कंपनियों ने जानबूझकर अमेरिकी प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए ईरानी पेट्रोलियम उत्पादों की खरीदारी की। जिन भारतीय कंपनियों को प्रतिबंधित किया गया है उनमें ग्लोबल इंडस्ट्रियल केमिकल्स लिमिटेड, रमणीक लाल एस गोसालिया एंड कंपनी, परसिस्टेंट पेट्रोकेम प्राइवेट लिमिटेड, अल्केमिकल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, जुपिटर डाईकेम प्राइवेट लिमिटेड और कंचन पॉलीमर्स के नाम शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने पहले से ही ईरान पर व्यापारिक प्रतिबंध लगाया हुआ है, जिसमें पेट्रोलियम सेक्टर में होने वाला व्यापार भी शामिल है। अमेरिका का आरोप है कि प्रतिबंधित की गई भारतीय कंपनियों को पता था कि वे ईरान से पेट्रोलियम और पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स खरीद कर ईरान पर अमेरिका द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रही हैं। इन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अमेरिका या अमेरिका के नियंत्रण वाले क्षेत्र में इन कंपनियों की परिसंपत्तियों को फ्रीज कर दिया जाएगा।

मिशन शक्ति अभियान अन्तर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं को किया जागरूक

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन के निर्देशन में जनपद में गठित मिशन शक्ति टीमों के द्वारा महिलाओं व बालिकाओं के सुरक्षार्थ चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान-5 के अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्रों में कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सशक्तिकरण हेतु "शक्ति दीदी" के माध्यम से महिला सम्मान, सुरक्षा व जागरूकता हेतु अभियान चलाया जा रहा है।

मिशन शक्ति फेज-05 के विशेष अभियान (शक्ति दीदी) के तहत थानों में नियुक्त महिला बीट अधिकारियों, समस्त थानों पर गठित महिला सुरक्षा विशेष दल द्वारा गाँवों, कस्बों व मोहल्लों में जन चौपाल लगाकर तथा बस स्टैंड, बाजार, गांव, कस्बा, स्कूल, कालेज व कोचिंग सेंटर इत्यादि सार्वजनिक एवं भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर बालिकाओं व महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक करते हुए शक्ति दीदी के रुप में महिलाओं व बालिकाओं से जुड़ कर उन्हे सक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। शक्ति दीदी अभियान के तहत महिलाओं व बालिकाओं को शासन व यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे वीमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, साइबर सम्बन्धी एवं सीयूजी नम्बरों के बारे में विश्तृत जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है। महिलाओ एवं बालिकाओं से वार्ता कर उनके अन्दर आत्मविश्वास को बढ़ाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

कांग्रेसियों ने किया मीटिंग का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

जिला कोऑर्डिनेटर उमेश पंडित ने जिला कांग्रेस कार्यालय रेलवे रोड पर सभी कांग्रेस जनों से मुलाकात की तथा संगठन में नवगत फ्रंटल संगठनों के संबंध में सुझाव मांगे। ए न ए स यू आ ई युवा कांग्रेस महिला कांग्रेस पंचायती राज अल्पसंख्यक विभाग ऐसे तमाम विभागों पर परिचर्चा हुई, लोगों ने अपने-अपने आवेदन दिए। उमेश पंडित ने कहा सभी आवेदनों को लेकर रिपोर्ट बनाकर के हाई कमान को भेजी जाएगी, जिससे नए लोगों को जिम्मेवारी दी जा सके।

जिला कांग्रेस के अध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह, जिला उपाध्यक्ष व विधान सभा प्रभारी ताहिर गाजी, फ़हीम खान, सागर सिंह तोमर, आगा युनुस, दिनेश कुमार, पवन शर्मा, सुहैल खान, अकील नेताजी, आमिर खान, सत्य सिंह, राजकुमार रावत, नंद किशोर सिंह, फैजुल कुरैशी, मो सारिक लीगल सेल, रुपेश पाठक नए जिलाध्यक्ष, पंडित क्षेत्रपाल शर्मा ने बुद्धिजीवी प्रपोज्ड, जिलाध्यक्ष जरीना आगा ने महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष उसी पद पर रहने के लिए, सैफुल्लाह कुरैशी ने सोशल मीडिया, यासमीन महिला कांग्रेस शहर के अध्यक्ष पद, जिला कोऑर्डिनेटर उमेश पंडित को सभी ने अपने-अपने आवेदन जमा किए।

परिवार परामर्श केन्द्र ने तीन परिवारों को टूटने से बचाया

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

SSP संजीव सुमन के निर्देशन में पारिवारिक समस्याओं व मतभेदों के मामलों को परिवार परामर्श केन्द्र में काउंसलरों द्वारा दोनों पक्षों को साथ बैठाकर उनकी समस्याओं को सुनकर तीन जोड़ों के समझौते कराकर उनके परिवारों को टूटने से बचाया गया।

परिवार परामर्श केंद्र प्रभारी उपनिरीक्षक श्रीमती शिखा त्यागी, काउंसलर्स डॉ. देवेंद्र कुमार, अमित अग्रवाल व बृजेश मिश्रा द्वारा प्रभावशाली काउंसलिंग कर कुल तीन परिवारों थाना कोतवाली नगर के गुलजफा (परिवर्तित नाम) एवं शाहिद (परिवर्तित नाम), थाना देहली गेट के प्रकाश (परिवर्तित नाम) व थाना कोतवाली नगर की दीपिका (परिवर्तित नाम) व थाना सिविल लाइन की गजल (परिवर्तित नाम) व रामघाट रोड क्वार्सी निवासी रोहन (परिवर्तित नाम) को टूटने से सफलतापूर्वक बचाया। विभिन्न पारिवारिक मतभेदों एवं घरेलू विवादों से जूझ रहे इन परिवारों को आपसी संवाद, समझदारी और परामर्श की मदद से पुनः एक सूत्र में बांधने का सराहनीय कार्य किया। इन सभी मामलों में परिवार परामर्श केंद्र की टीम ने दोनों पक्षों से विश्तारपूर्वक वार्ता की, पारिवारिक मूल्यों की महत्ता को समझाया तथा सुलह-समझौते की दिशा में प्रभावी पहल कर उनका पारिवारिक जीवन संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हिमाचल प्रदेश में फिर फटा बादल, शिमला जिले में बाढ़ जैसे हालात

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में मानसून का प्रकोप लगातार जारी है और छह अगस्त तक कई जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। आज कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में भी भारी वर्षा का येलो अलर्ट है। गुरुवार सुबह तक कांगड़ा जिला मुख्यालय धर्मशाला में सबसे ज्यादा 54 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुरारी देवी में 52 मिमी, कोठी में 49 मिमी, गोहर में 40 मिमी, सराहन में 34 मिमी और सुंदरनगर में 30 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक भारी बारिश और भूस्खलन से प्रदेश भर में एक नेशनल हाईवे और 301 सड़कों पर आवाजाही पूरी तरह से बाधित है। 436 बिजली के ट्रांसफार्मर और 254 पेयजल योजनाएं भी ठप हो गई हैं। अकेले मंडी जिले में सबसे ज्यादा 193 सड़कें, एक नेशनल हाईवे (एनएच-21, मंडी-कोटली बनाला ओट के पास), 81 ट्रांसफार्मर और 58 पेयजल योजनाएं बंद पड़ी हैं। कुल्लू जिले में 47 सड़कें और 134 ट्रांसफार्मर खराब हुए हैं। चंबा में 142 ट्रांसफार्मर और 62 पेयजल योजनाओं पर असर पड़ा है, जबकि कांगड़ा जिले में 134 पेयजल योजनाएं बंद हैं।

मनाली में ब्यास नदी का जलस्तर बढ़ा, खतरा बरकरार: मनाली और आसपास के क्षेत्रों में लगातार हो रही तेज बारिश से ब्यास नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नेहरू कुंड के पास नदी का पानी पुल की नींव की ओर मुड़ गया है, जिससे बड़ा खतरा बन गया है। हालात का जायजा लेने के लिए मनाली विधायक भुवनेश्वर गौड़, एसडीएम मनाली, डीएसपी मनाली और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारी मौके पर मौजूद हैं। पानी को दूसरी दिशा में मोड़ने के लिए मशीनें लगाई गई हैं। बाहंग के पास भी नदी का जलस्तर बढ़ने से कुछ घरों पर खतरा मंडरा रहा है। हालांकि फिलहाल किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और नदी-नालों से दूर रहने की अपील की है।

शिमला जिले के रामपुर उपमंडल की कूट पंचायत के धनपल कंडा में बादल फटने से भारी तबाही मची है। तेज बारिश और मलबे के कारण ग्रामीणों की फसलें बर्बाद हो गईं और कई सेब के पौधे नष्ट हो गए। कूट गांव को जोड़ने वाला एक बड़ा पुल और तीन छोटे पुल तेज बहाव में बह गए हैं। भूक्षरण से पंचायत मुख्यालय का वाहन मार्ग भी कट गया है, जिससे यह क्षेत्र पूरी तरह अलग-थलग पड़ गया है। हालांकि, कूट में वाहन योग्य मुख्य पुल सुरक्षित है। खिऊंचा गांव में भू-स्खलन से बिजली के दो खंभे बह गए, जिससे गांव में बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। कूट पंचायत प्रधान रत्न डोगरा ने बताया कि 29 जुलाई की आधी रात को यह घटना घटी। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है। एसडीएम रामपुर हर्ष अमरेंद्र सिंह ने कहा कि नुकसान का आकलन करने के लिए राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची है।

किन्नौर जिले में दूसरे दिन भी किन्नर कैलाश यात्रा को नाले में जलस्तर बढ़ने के कारण रोक दिया गया है, जिससे श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मौजूदा मानसून सीजन में 20 जून से अब तक हिमाचल प्रदेश में बारिश, भूस्खलन और बाढ़ से अब तक 170 लोगों की मौत हो चुकी है, 278 लोग घायल हुए हैं और 36 लोग लापता हैं। सबसे ज्यादा 35 मौतें मंडी में हुई हैं, जहां 27 लोग लापता भी हैं।

गुजरात एटीएस ने किए कई बड़े दावे : शमा परवीन अंसारी 10 हजार लोगों में घोल रही थी 'जिहाद का जहर'

अहमदाबाद, एजेंसी।
शमा परवीन अंसारी गजवा-ए-हिंद का मंसूबा पाले बैठी थी और करीब 10 हजार लोगों में जिहाद का जहर खोलने में जुटी हुई थी। बेंगलुरु से गिरफ्तार की गई झारखंड की लड़की को लेकर गुजरात एटीएस ने कई बड़े दावे किए हैं। अलकायदा के ऑनलाइन मॉड्यूल का खुलासा करते हुए एटीएस ने शमा परवीन को गिरफ्तार किया है इसे एक बड़ी कामयाबी के तौर पर देखा जा रहा है। वह अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंटऔर पाकिस्तान का मोहरा बन चुकी थी।

प्रतिबंधित आतंकी संगठन अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट के विचारों को फैलाने के आरोप में शमा को मंगलवार को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया जहां वह अपने छोटे भाई के साथ रह रही थी। बुधवार को उसे ट्रांजिट रिमांड पर गुजरात लाया गया। एटीएस के अधिकारियों मुताबिक, अंसारी भारत सरकार के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह और जिहाद के लिए लोगों को उकसा रही थी और इसके लिए वह डिजिटल प्लैटफॉर्म्स का सहारा ले रही थी। वह नफरती संदेशों को फैलाकर धार्मिक उन्माद और हिंसा भड़काना चाहती थी।

एटीएस की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया है कि अंसारी दो फेसबुक पेज और एक इंस्टाग्राम अकाउंट को संभालती थी, जिनके सामूहिक रूप से 10000 यूजर थे। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक शमा इनके जरिए ,त्त्छ्रूस और अन्य कट्टरपंथी प्रचारकों के विचारों को साझा करती थी। इनमें अलकायदा इंडियन सबकॉन्टिनेंट नेता मौलाना असीम उमर, मर चुके अलकायदा विचारक अनवर अल-अवलाकी और लाहौर के लाल मस्जिद के मौलाना अब्दुल अजीज के भाषणों के वीडियो शेयर किए जाते थे। इनमें गजवा-ए-हिंद, काफिरों पर हमले और भारत सरकार के खिलाफ नफरती संदेश होते थे। जांचकर्ताओं ने यह भी पाया कि अंसारी पाकिस्तान में कुछ लोगों के साथ फोन और ईमेल के जरिए संपर्क में थी। इसी महीने एटीएस की ओर से चलाए गए एक ऑपरेशन के बाद शमा की भूमिका सामने आई। 23 जुलाई को एटीएस ने दिल्ली, नोएडा, अहमदाबाद और गुजरात से चार लोगों को गिरफ्तार किया था, जिन पर जिहादी प्रोपेगेंडा वीडियो को साझा करने का आरोप है।

नियम तोड़कर फैसला लिया, टीसीएस मुकदमेबाजी में फंसी, 12 हजार की छटनी पर केस दायर

बेंगलुरु, एजेंसी।
शानदार सैलरी के साथ सुरक्षित रोजगार के लिए जानी जाने वाली कंपनी टीसीएस की ओर से छटनी के ऐलान ने दुनिया को हैरान किया है। आईटी सेक्टर की भारत ही नहीं दुनिया की इस दिग्गज ने 12 हजार कर्मचारियों को हटाने का ऐलान किया है। कंपनी का कहना है कि फ्यूचर रेडी होने, नई तरह की डिमांड के लिहाज से खुद को तैयार करने और नई तकनीक से सामंजस्य बिठाने के लिए कंपनी ने ऐसा फैसला लिया है। लेकिन इससे आईटी कर्मचारियों में नाराजगी है। यही नहीं कर्नाटक स्टेट आईटी एंप्लॉयीज यूनियन ने इस मामले में एक केस भी दायर कर दिया है।

आईटी यूनियन ने लेबर कमिश्नर के पास मामला दायर किया है। यूनियन का कहना है कि टीसीएस ने नियमों का उल्लंघन करते हुए छटनी का फैसला लिया है। इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स ऐक्ट, 1947 के तहत कंपनी पर नियमों का उल्लंघन करते हुए छटनी करने का आरोप लगाया गया है। टीसीएस का कहना है कि फाइनेंशियल ईयर 2026 में वह अपनी वर्कफोर्स में 2 फीसदी की कमी करेगी। इसका अर्थ हुआ कि 12 हजार लोगों की नौकरी चली जाएगी। इस फैसले के खिलाफ कर्नाटक आईटी यूनियन के प्रतिनिधियों ने अडिशनल लेबर कमिश्नर जी. मंजूनाथ से मुलाकात की और कर्मचारियों की संस्याओं से अवगत कराया है। उन्होंने शिकायत दी है।

इन कर्मचारियों ने इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स ऐक्ट का हवाला देते हुए कहा कि किसी कंपनी में यदि 100 से ज्यादा कर्मचारी होते हैं तो वहां छटनी के लिए सरकार से पहले अप्रूवल लेना जरूरी होता है। इसके लिए ऐक्ट में कुछ नियम तय किए गए हैं। यूनियन का कहना है कि टीसीएस मैनेजमेंट ने इन नियमों का उल्लंघन किया है। यूनियन की मांग है कि उन अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू की जाए, जिन्होंने यह फैसला लिया है। यूनियन ने कहा है कि लेबर डिपार्टमेंट को इस मामले में तत्काल न्याय करना चाहिए ताकि इस छटनी से प्रभावित लोगों से न्याय हो सके।

इस बीच श्रम विभाग के सूत्रों का कहना है कि जल्दी ही टीसीएस के मैनेजमेंट के साथ मीटिंग की जाएगी। इसमें चर्चा की जाएगी कि आखिर इस तरह लेऑफ का फैसला क्यों लिया गया। अभी तारीख तय नहीं है, लेकिन कर्नाटक के श्रम मंत्री ने साफ किया है कि जल्दी ही मीटिंग होगी।

गुरुग्राम के 245 प्राइवेट स्कूलों पर ऐक्शन की तैयारी, शिक्षा विभाग ने भेजे नोटिस

गुरुग्राम , एजेंसी।
शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को दाखिला न देने वाले गुरुग्राम के 245 प्राइवेट स्कूलों को जिला शिक्षा विभाग ने नोटिस भेजा है। स्कूलों को जवाब देने के लिए 15 दिन समय दिया गया है। आनाकानी करने वाले स्कूलों के खिलाफ मौलिक शिक्षा निदेशालय कार्रवाई करेगा। जिला शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को ईमेल भेज दिया है।

शिक्षा विभाग के अनुसार, गुरुग्राम जिले में 529 मान्यता प्राप्त प्राइवेट स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में आरटीई के तहत 25 फीसदी सीटों पर 470 आर्थिक रूप से कमजोर (ईडब्ल्यूएस) बच्चों को दाखिला देना था। इसमें से सिर्फ 92 बच्चों के ही दाखिले हुए। निजी स्कूलों की ओर से 199 छात्रों के आवेदनों का वेरिफिकेशन तक नहीं किया गया और 179 आवेदनों को रद्द कर दिया गया। दाखिले के बारे में जानकारी शिक्षा विभाग के पोर्टल पर देनी थी। इसको लेकर मौलिक शिक्षा निदेशालय ने 245 प्राइवेट स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जिले में आरटीई के तहत प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने के बाद भी कई निजी ने स्कूलों बच्चों को दाखिल नहीं दिया। अभिभावक जिला शिक्षा कार्यालय में दस्तावेज जमा कराने के लिए भटकते रहे। अभिभावकों का कहना है कि उन्होंने ऑनलाइन आवेदन किया है। जिस तरह से निजी स्कूल आर्थिक रूप कमजोर तबकों के लिए आरक्षित सीटों पर दाखिला देने में रूचि नहीं दिखा रहे हैं, इससे आरटीई के तहत प्रवेश मिलना मुश्किल लग रहा है। जिला शिक्षा विभाग निजी स्कूलों पर दबाव नहीं बना पा रहा। अभिभावकों का कहना है कि आर्थिक रूप से कमजोर तबके के साथ हर सत्र में इसी तरह भेदभाव किया जा रहा है। इससे बच्चों को दाखिला नहीं मिल पा रहा। नवीन अग्रवाल, नोडल अधिकारी, आरटीई हरियाणा, आरटीई के तहत आर्थिक रूप से

गुरुग्राम-फरीदाबाद के दिल्ली से सटे इलाकों में और महंगी होगी जमीन, कहां कितने बढ़ेंगे रेट

गुरुग्राम, एजेंसी।
दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद में अब मकान-दुकान खरीदना और महंगा होने जा रहा है। दोनों जगहों पर एक अगस्त से नए सर्किल रेट लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। फरीदाबाद में जहां सर्किल रेटों में कम से कम 10 और अधिकतम 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। वहीं गुरुग्राम जिले में आवासीय संपत्तियों के सर्किल रेटों में 8 से 145 फीसदी तक की बढ़ोतरी प्रस्तावित है।

गुरुग्राम जिले में सर्किल रेटों में वृद्धि के बाद शहर में आम लोगों के लिए अपना सपनों का घर खरीदना और भी मुश्किल होने वाला है। प्रशासन ने दिल्ली से सटे इलाकों में 145 प्रतिशत तक की भारी बढ़ोतरी का भी प्रस्ताव रखा है, जिससे जमीन की कीमतें आसमान छूने लगेंगी।

प्रस्तावित बढ़ोतरी के अनुसार डीएलएफ फेज एक से चार, साउथ सिटी, सनसिटी, सुशांत लोक और गोल्फ कोर्स रोड के किनारे स्थित पॉश इलाकों में सर्किल दरों में औसतन दस से 20 प्रतिशत की वृद्धि होगी। अधिकांश क्षेत्रों में दस से 20 प्रतिशत की वृद्धि की गई है, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह 40 से 50 प्रतिशत बढ़ाई गई है। लोगों से 31 जुलाई तक नौ तहसील में प्रस्तावित सर्किल रेट पर आपत्ति और सुझाव मांगे गए हैं। प्रदेश सरकार बढ़ी दर को एक अगस्त से लागू कर सकती है। अधिकांश क्षेत्रों में जिनमें पॉश सोसाइटी भी शामिल हैं, वृद्धि 10 से 20 प्रतिशत की सीमा में प्रस्तावित है। सुशांत लोक-1 में सर्किल दर 15प्रतिशत बढ़कर 1.09 लाख रुपये प्रति वर्ग गज से 1.25 लाख रुपये प्रति वर्ग गज हो जाएगी। सुशांत लोक-2 और 3 में 14प्रतिशत की वृद्धि प्रस्तावित है, जो 80,500 रुपये प्रति वर्ग गज से 92,000 रुपये प्रति वर्ग गज होगी।

साउथ सिटी-1 में सर्किल दर 12प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख रुपये प्रति वर्ग गज से 1.28 लाख रुपये प्रति वर्ग गज हो जाएगी, और साउथ सिटी-2 में 14प्रतिशत बढ़कर 86,250 रुपये प्रति वर्ग गज से 99,000 रुपये प्रति वर्ग गज होने की उम्मीद है। निर्वाणा कंट्री में सर्किल दर 15प्रतिशत बढ़कर 1.15 लाख रुपये प्रति वर्ग गज से 1.32 लाख प्रति वर्ग गज होने की उम्मीद है। मालिबू टाउन में सर्किल दर 15प्रतिशत बढ़कर 75 हजार रुपये प्रति वर्ग गज से 86,250 रुपये प्रति वर्ग गज हो जाएगी। पाम ड्राइव और एमराल्ड हिल्स में सर्किल दर 21प्रतिशत हो जाएंगे। डीएलएफ फेज एक से पांच में आवासीय प्लॉटों की सर्किल दरों में 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि का प्रस्ताव है।

द्वारका एक्सप्रेसवे के साथ लगे नए सेक्टरों (सेक्टर 104 से 109 और 115) में आवासीय प्लॉट की दरें 62प्रतिशत बढ़कर 40,000 रुपये प्रति वर्ग गज से 65,000 रुपये प्रति वर्ग गज हो जाएंगी। सेक्टर 14 में प्रस्तावित दर में 34प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2.08 लाख रुपये प्रति वर्ग गज से बढ़कर 2.80 लाख रुपये प्रति वर्ग गज होगी। आवासीय संपत्ति में सबसे अधिक वृद्धि गुरुग्राम गांव में प्रस्तावित है, जहां प्लॉट की सर्किल दर 77प्रतिशत बढ़ जाएगी।

सेक्टर 15, 27, 28, 30, 31, 32ए, 40, 41, 42, 43, 45, 46, 50, 51, 52, 53, 54, 55, 56, 57 में ग्रुप हाउसिंग में फ्लैटों की दरें 8900 रुपये प्रति वर्ग फुट से बढ़कर 9790 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई हैं। सेक्टर 58, 59, 60, 61, 62, 63, 63ए में ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज में फ्लैटों की दरें 7040 रुपये प्रति वर्ग फुट हो जाएंगी।

दिल्ली से सटी कृषि भूमि की दरों में भारी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। बजघेड़ा में कृषि भूमि की सर्किल दर में 145प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जो 2.03 करोड़ रुपये प्रति एकड़ से बढ़कर पांच करोड़ रुपये प्रति एकड़ हो गई है। सरहौल में कृषि भूमि की सर्किल दर 108प्रतिशत बढ़कर 2.39 करोड़ रुपये प्रति एकड़ से 5 करोड़ रुपये प्रति एकड़ हो गई है। इन प्रस्तावित वृद्धियों से गुरुग्राम में संपत्ति बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, जिससे विशेष रूप से नए खरीदारों और मध्यम वर्ग के लिए घर खरीदने का सपना और भी दूर हो जाएगा। जिले में एक अगस्त से नए सर्किल रेट लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। जिला प्रशासन ने प्रस्तावित सर्किल रेट की सूची वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। जिसमें कम से कम 10 और अधिकतम 50 फीसदी तक की बढ़ोतरी की गई है। ग्रेटर फरीदाबाद सहित उसके आसपास के इलाकों की जमीन सबसे ज्यादा महंगी होगी।

छत्तीसगढ़ में स्कूल बसों पर कसा शिकंजा, जांच से गायब 106 वाहन ब्लैकलिस्ट, कई पर जुर्माना भी

रायपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में जिला परिवहन विभाग ने जांच के लिए नहीं पहुंचने वाली 106 स्कूल बसों को काली सूची में डाल दिया है। अधिकारियों ने बताया कि रायगढ़ में जिला परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 106 स्कूल वाहनों को 'ब्लैकलिस्ट' कर दिया है। ओ.पी.जिंदल स्कूल और जिंदल यूनिवर्सिटी की बसों की जांच की गई, जिनमें 11 बसों में मानकों के हिसाब से खामियां मिली। इन बसों पर 55 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया।

अधिकारियों ने बताया कि वाहन परिवहन विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में जांच के लिए कई बसें नहीं पहुंची थीं। बार-बार नोटिस देने के बाद भी बस चलाने वालों द्वारा जांच नहीं कराए जाने पर विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। रायगढ़ के जिला परिवहन अधिकारी अमित प्रकाश कश्यप ने बताया कि उच्चतम न्यायालय की कमेटी द्वारा निर्धारित स्कूल बस के लिए 16 बिंदुओं के अंतर्गत जांच होती है। इसके लिए जिला परिवहन विभाग ने 21, 22 तथा और 29 जून को शहीद कर्नल विप्लव त्रिपाठी स्टेडियम में कैंप का आयोजन किया था। इसमें अनुपस्थित स्कूल बसों को नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उसके बाद भी ये वाहन जांच के लिए नहीं लाए गए। अधिकारी ने बताया कि इसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कदम उठाते हुए सभी अनुपस्थित 106 स्कूल बस को वाहन परिवहन पोर्टल में 'ब्लैकलिस्ट' कर दिया गया। कश्यप ने बताया कि रायगढ़ जिले के कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश के अनुसार सभी स्कूल बसों की नियमित जांच की जा रही है। 26 जुलाई को ओ.पी.जिंदल स्कूल और जिंदल यूनिवर्सिटी की बसों की जांच की गई, जिनमें 11 बसों में मानकों के हिसाब से खामियां मिलीं। इन बसों पर 55 हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए स्कूल प्रबंधन को वाहनों के अपेक्षित सुधार के लिए निर्देश दिया गया।

अनोखा प्रेम : पत्नी की मौत की बात सुन पति ने भी तोड़ा दम, हरियाणा में दंपती ने एक संग ली दुनिया से विदा

रेवाड़ी, एजेंसी।
गुरुग्राम से सटे हरियाणा के रेवाड़ी जिले के पीथनवास गांव में बुधवार को एक ऐसा मामला देखने को मिला, जहां पत्नी की मौत का समाचार पाते ही पति ने भी दम तोड़ दिया। आधा घंटा में पति-पत्नी दोनों की मौत होने की यह घटना गांव में और आसपास के इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, पति-पत्नी के बीच गहरे प्रेम का यह मामला गांव पीथनवास का है। 93 वर्षीय दलीप सिंह व 90 वर्षीय पत्नी सुरजी देवी के बीच बहुत प्रेम था। उनके बीच मनमुटाव की बात परिजनों ने कभी नहीं सुनी थी। दोनों पूर्ण रूप से स्वस्थ थे। बुधवार की सुबह उनके बेटे फूल सिंह की पत्नी चाय देने के लिए सास-ससुर के कमरे में गई। सास सुरजी देवी ने चाय पीने से इनकार कर दिया और ससुर दलीप सिंह चाय का कप लेकर कमरे से बाहर निकल गए। कुछ देर बाद बहू दोबारा चाय के लिए पूछने उनके कमरे में गई। उस समय सुरजी देवी चारपाई पर लेटी हुई थीं। बार-बार पूछने पर भी जब कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने सास के शरीर को हिलाया तो वह निढाल पड़ा था।

इसकी जानकारी मिलते ही पूरा परिवार जमा हो गया। डॉक्टर को बुलाया गया जिसने उन्होंने सुरजी देवी को मृत घोषित कर दिया। उस समय दलीप सिंह घर के बाहर कुर्सी पर बैठे थे। उन्हें जब यह बात पता चली कि पत्नी अब इस दुनिया में नहीं रही तो वे कुर्सी पर ही चुपचाप बैठे रहे। परिजन जब उनके पास पहुंचे तो उनकी भी कुर्सी पर बैठे-बैठे ही मौत हो चुकी थी। वे संभवतः पत्नी की मौत का सदमा सहन नहीं कर पाए।

साहिबाबाद राजेंद्र नगर में अवैध अतिरिक्त तल का निर्माण ध्वस्त

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। राजेंद्र नगर, साहिबाबाद में स्वीकृत मानचित्र से हटकर बनाए जा रहे अवैध अतिरिक्त तल को प्राधिकरण ने ध्वश्त कर दिया। यह कार्रवाई 31 जुलाई 2025 को उपाध्यक्ष के आदेश पर प्रवर्तन जोन-07 टीम द्वारा की गई। जानकारी के अनुसार, भूखंड संख्या 3/12-ए, सेक्टर-5 पर निर्माणकर्ता विनोद कुमार कौशिक ने बिना अनुमति अतिरिक्त तल का निर्माण कराया था। भवन में पहले से दो तल पर कब्जा पाए जाने पर उपाध्यक्ष ने भवन को अध्यासन मुक्त कराने के लिए पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद को पत्र भेजा था। ध्वशतीकरण के दौरान थाना साहिबाबाद से पर्याप्त पुलिस बल मौजूद रहा, जिससे शांति व्यवस्था बनी रही। निवासियों ने प्रारंभिक विरोध किया, लेकिन पुलिस द्वारा समझाने पर कार्रवाई पूरी की गई। इस दौरान प्रवर्तन जोन-07 के सहायक अभियंता, अवर अभियंता और पूरा स्टाफ मौके पर उपस्थित रहा।

नहटौर-धामपुर रोड पर सड़क दुर्घटना में एक की मौत, एक घायल

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷। अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बाइक सवार दो युवक घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर एक युवक को मृत घोषित कर दिया। बुधवार की देर रात्रि को ग्राम रघुनाथपुर निवासी दीपांशु पुत्र अजय पाल सिंह 22 वर्ष व राजू पुत्र सीताराम 32 वर्ष धामपुर से मजदूरी कर घर वापस लौट रहे थे। जब उनकी बाइक धामपुर रोड स्थित ग्राम ढक्का से आगे पहुंची तो उनकी बाइक को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें दोनों युवकों की युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नहटौर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर राजू को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वही दीपांशु की हालत गंभीर देखते हुए उसे बिजनौर के लिए रेफर कर दिया।

सबदलपुर रेहरा के ही निकले रात में ड्रोन उडाकर गाँव वालो की नींद हराम करने वाले युवक

✷ एनसीआर टुडे. हीमपुर ✷। थानां क्षेत्र के ग्राम सबदलपुर रेहरा में बीती रात उस समय हड़कंप मच गया जब एक ड्रोन काफी नीचे उड़ रहा था। ड्रोन को देख लोगो की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई और ड्रोन के पीछे पीछे जंगल की ओर दौड़ पड़ी ।जहां ग्रामीणों ने डंडा मारकर उसे गिरा लिया जो रंग बिरंगी लाइट जलाता हुआ एक छोटा हेलीकॉप्टर निकला। देर रात्रि में लाठी डंडों से लैश ग्रामीण जैसे ही जंगल से हैलीकॉप्टर (खिलौने) को लेकर चले। वैसे ही गाँव के बाइक सवार दो व्यक्ति अपना हैलीकॉप्टर मांगने आ गए। उन्होंने बताया कि वही इस हैलीकॉप्टर को उड़ा रहे थे। ग्रामीणों ने बाइक सवार दो व्यक्तियों को खरी खोटी सुनाते हुए रात में ही पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि इन लोगो ने ड्रोन के नाम पर एक महीने से ग्रामीणों की नींद हराम की हुई थी इनपर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं ग्रामीणों ने आरोपितों की वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल कर दी जो चर्चा का विषय बनी हुई है।

बिजनौर में दिन दहाड़े घर घुसे बदमाशों ने की लूट, गांव में फैली दहशत

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷। हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े घर में घुसे बदमाश, बदमाशों ने महिला की आंखों में डाला #केमिकल। महिला मौके पर ही हुई बेहोश। घर में रखे सोने चांदी और नगदी लेकर फरार घर में रखी लाखों की जैकेटौ में लगाई आग। थाना हीमपुर दीपा क्षेत्र के गांव गन्धौर में दिनदहाड़े हुई चोरी की वारदात ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी है। घटना आज सुबह करीब नौ बजे की है। जब लोग अपने काम में लगे थे,। तभी चोर एक घर में घुस गए। उन्होंने घर में रखे 20000 नकद व सोने और चांदी के जेवरातो पर हाथ साफ कर दिया। और घर में रखी जैकेटों में आग लगा दी। महिला को घर पर अकेली देख चोरों ने महिला की आंखों में केमिकल डाल दिया जिससे महिला वहीं पर बेहोश होकर गिर पड़ी। घर में दुआ उठता देख मोहल्ले के लोगों को पता लगा। परिवार के लोगों ने आकर देखा तो घर में चोरी की वारदात का पता लगा। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई ग्रामीण चोरी की सूचना डायल 112 पुलिस व थाना हीमपुर को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। क्षेत्र में दिन दहाड़े चोरी की घटना से लोगों में हडकंप मच गया।

गेहू से भरा ट्रक पलटने से नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर जाम,

✷ एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे परी चौक से महामाया फ्लाईओवर की

ओर आने वाले सड़क पर सेक्टर 128 के पास गेहू से भरा ट्रक पलट जाने से किलोमीटर लंबा जाम लग गया इस दौरान सैंकड़ों गाड़ियों समेत हजारों लोग जाम में फंस गए। ट्रैफिक पुलिसकर्मी जाम खुलवाने में जुटे दिखे, पुलिस अधिकारियो का कहना है कि एक्सप्रेसवे मार्ग पर पलटे हुए ट्रक को हाइड्रा की मदद से साइड करवाया जा रहा है, ट्रैफिक को जल्द ही सामान्य कर दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे पर सेक्टर 128 के पास पलटे हुए गेहू से भरे ट्रक हाइड्रा की मदद से साइड करवा, सडक पर बिखरे गेहू को हटाते पुलिसकर्मी। इस हादसे के कारण परीचौक से नोएडा वाले एक्सप्रेसवे मार्ग पर लम्बा जाम लग गया, जाम में कई लोग ऐसे थे जो ऑफिस के लिए निकले थे लेकिन जाम में फंसने से वे लेट हो गए। ट्रैफिक पुलिस ने सड़क पर पलटे ट्रक को क्रेन की मदद से सड़क के किनारे रखकर ट्रैफिक सामान्य करने मे जुटे है, लेकिन सडक बिखरे गेहू के कारण भारी मशक्कत करनी पड रही है। और ट्रक पलटने का कारण क्या रहा, इस संबंध में कोई सूचना नहीं मिल पाई है।

मानसी ज्वेलर्स लूटकांड का खुलासा मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

थाना लिंक रोड क्षेत्र के चर्चित मानसी ज्वेलर्स लूटकांड का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मुठभेड़ में गोली लगने के बाद कपिल और मनीष नामक दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। दोनों को पैर में गोली लगी है और उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। 24 जुलाई को हुई इस वारदात में दोनों बदमाश फूड डिलीवरी कंपनियों की ड्रेस पहनकर ब्रज विहार स्थित ज्वेलर्स की दुकान में घुसे थे और 20 किलो चांदी व 125 ग्राम सोना लूटकर फरार हो गए थे।

पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई थी, जो सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गई। गिरफ्तार बदमाशों से पुलिस ने 2 किलो चांदी, 40 ग्राम सोना, 50 हजार रुपये नकद, 2 तमंचे, कारतूस और फर्जी नंबर प्लेट लगी स्प्लेंडर बाइक बरामद की। पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों ने लूटे गए जेवरात हरिद्वार और बिहार के समश्तीपुर में बेचने की कोशिश की थी।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, कपिल लोनी का निवासी है, जबकि मनीष मेरठ के सरधना का रहने वाला है। दोनों के खिलाफ हत्या, लूट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर मुकदमे पहले से दर्ज हैं। पुलिस ने बदमाशों को पकड़ने के लिए 6 टीमों का गठन किया था, जिसके बाद यह कार्रवाई सफल हुई।

24 जुलाई को मानसी ज्वेलर्स पर हुई थी लूट

गाजियाबाद के साहिबाबाद सहायक पुलिस आयुक्त श्वेता कुमारी यादव ने बताया कि बीती 24 जुलाई को थाना लिंक रोड क्षेत्र स्थित मानसी ज्वेलर्स के मालिक को अवैध हथियार दिखाकर दुकान के अन्दर फूड डिलीवरी कंपनियों की ड्रेस में दो बदमाशों ने लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था। इस लूटपाट करने के संबध में थाना लिंक रोड में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। तभी से घटना के खुलासे के लिए कई टीमें लगी हुई थी।

गुरुवार को डीसीपी ट्रांस हिण्डन स्वाट टीम के निरीक्षक अनिल कुमार को सूचना मिली कि लूट करने वाले आरोपी बाइक से सवार होकर वसुंधरा फ्लाईओवर के नीचे से रेलवे रोड होते हुए दिल्ली को जाने वाले है। इसी सूचना पर तुरंत स्वाट टीम और थाना प्रभारी लिंक रोड, स्वाट टीम ट्रांस हिन्डन जोन टीम संयुक्त रूप से वसुंधरा फ्लाईओवर की नीचे चेकिंग करने लगी।

आरोपियों ने पुलिस टीम पर की फायरिंग

साहिबाबाद एसीपी श्वेता कुमारी यादव के अनुसार, इसी दौरान चेकिंग कर रही पुलिस टीम ने एक संदिग्ध बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया।

इस पर बाइक सवारों ने रॉग साइड भागने का प्रयास किया और तभी हडबडाहट में आरोपियों की बाइक फिसलकर गिर गई। इस दौरान आरोपियों ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जिस पर पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गये।

पुलिस के अनुसार पकड़े गए आरोपियों की पहचान कबुल नगर बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बोर्डर निवासी कपिल कुमार और कपसाड थाना सरधना जनपद मेरठ, हाल निवासी बेहटा हाजीपुर थाना लोनी बोर्डर निवासी मनीष उर्फ मोनू के रूप में हुई है। पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 50 हजार रुपये, सोने चांदी के गहने, अवैध तमंचे और कारतूस बरामद हुए है।

लूटे गए गहने हरिद्वार और बिहार में बेचे

साहिबाबाद एसीपी श्वेता कुमारी यादव के अनुसार, पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होने योजनाबद्ध तरीके से अपने साथियो के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया गया था । पकड़े गए आरोपी कपिल और मनीष का पहले से अच्छा आपराधिक इतिहास है।

आरोपियों के खिलाफ दिल्ली एनसीआर में लूट, हत्या, हत्या का प्रयास, आर्मस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्जनों के आस पास मुकदमें दर्ज है।

पकडे गये दोनो आरोपियों ने बताया कि उन्होने अपने अन्य साथीयों के साथ मिलकर फूड डिलीवरी कंपनियों की ड्रेस पहनकर इसलिए गए थे, ताकि ज्वैलर्स की दुकान को आसानी से खुलवा सकें। आरोपियों के पास से बरामद चोरी की बाइक और ड्रेस इनके एक साथी अभिषेक द्वारा उपलब्ध करायी गयी थी।

घटना को अंजाम देने के बाद बरामद सोने चांदी के जेवरातों को बेचने के लिए हरिद्वार और बिहार राज्य के समश्तीपुर में लूटा गया माल बेचा था।

शक में दो युवकों को पीटा, पुलिस ने भीड़ से बचाकर अस्पताल पहुंचाया

✷एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷

थाना क्षेत्र के पुरैना गांव में बुधवार सुबह ग्रामीणों ने दो युवकों को चोर समझकर पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी।

सूचना मिलते ही नूरपुर पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और भीड़ से दोनों युवकों को छुड़ाकर हिरासत में ले लिया। पुलिस ने हालात को संभालते हुए घायल युवकों को मेडिकल परीक्षण के लिए अस्पताल भिजवाया।

बताया जा रहा है कि मोहल्ला सैनीपुरम, थाना नूरपुर निवासी सोनू सैनी (20 वर्ष) व मोनू सैनी (19 वर्ष), पुत्रगण चंद्रपाल सैनी, किसी काम से गांव पुरैना पहुंचे थे। इसी दौरान वहां मौजूद ग्रामीणों ने उन्हें संदिग्ध मानते हुए घेर लिया और पिटाई शुरू कर दी। शोर सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण, पुरुष व महिलाएं जमा हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही नूरपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस द्वारा युवकों को हिरासत में लेने के बाद कुछ ग्रामीणों ने पुलिस की गाड़ी रोक दी और राश्ता जाम कर सरकारी कार्य में बाधा डालने की कोशिश की।

हालांकि, पुलिस ने सूझबूझ से काम लेते हुए स्थिति को संभाला और युवकों को सकुशल अस्पताल भेजा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष एक ही समुदाय से ताल्लुक रखते हैं। फिलहाल गांव में शांति व्यवस्था बनी हुई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोर-चोर की अफवाह से ग्रामीणों में दहशत, रातभर पहरा देने को मजबूर

एनसीआर टुडे. स्योहारा। ग्राम अलादीनपुर बीते कुछ दिनों से क्षेत्र में 'चोर-चोर' की अफवाह ने ग्रामीणों की नींद उड़ा दी है। रात होते ही गांव की गलियों में डर का माहौल पसर जाता है। लोग अपनी सुरक्षा के लिए रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर हो गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ अज्ञात लोगों द्वारा इलाके में चोरी की वारदातें फैलने की झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं।

इसके चलते ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया है। कई जगहों पर रात को संदिग्ध लोगों के देखे जाने की खबरें भी सामने आई हैं, हालांकि पुलिस जांच में कोई ठोस सबूत नहीं मिला है। स्थानीय निवासीगण ने बताया, "हर रात गांव में कुछ लोग टॉर्च लेकर गश्त करते हैं। महिलाएं और बुजुर्ग डरे हुए हैं। बच्चे भी रात को ठीक से सो नहीं पा रहे।" इस बीच थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि फिलहाल किसी तरह की चोरी की घटना की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ग्रामीणों से संयम बनाए रखने और किसी भी अफवाह पर विश्वास न करने की अपील कर रही है। साथ ही संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को देने को कहा गया है। गांव में डर का माहौल अफवाह के कारण फैला है।

विधि विभाग के ज़िला सयोजक ज़हीर खान के सम्मान मे बार भवन मे हुआ समारोह

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

उत्तर प्रदेश काँग्रेस विधि विभाग के नव नियुक्त जिला संयोजक ज़हीर अहमद ख़ान एडवोकेट के सम्मान मे बार भवन नगीना मे एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें विधि विभाग के जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल एडवोकेट मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

नवनियुक्त जिला संयोजक ज़हीर अहमद खान के सम्मान मे आयोजित समारोह मे मुख्य रूप से उपस्थित संगठन के जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल एडवोकेट ने कहा कि काँग्रेस पार्टी के विधि विभाग के संगठन को सक्रिय करने के मकसद से इसमे सक्रिय अधिवक्ताओं को शामिल किया जा रहा है ।जिसमें मुख्य रूप से जिला संयोजक के पद पर ज़हीर अहमद ख़ान की नियुक्ति से संगठन को मजबूती मिलेगी।

उन्होंने संगठन के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों का भी आभार व्यक्त किया। जो संगठन को दिन प्रतिदिन मजबूत कर रहे है। उन्होंने शुक्रवार 2 अगश्त को दिल्ली के विज्ञान भवन में होने वाले विधि विभाग के सम्मेलन मे अधिक से अधिक अधिवक्ताओं से शामिल होने की अपील की।

इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता मौ.आरिफ ख़ान, पूर्व बार अध्यक्ष दीपक कुमार बिश्नोई एड., दीपक सक्सेना (पूर्व अध्यक्ष), पूर्व महासचिव निशात अहमद ,मौ.नईम, फरीद अहमद ख़ान एडवोकेट (जिला सह संयोजक) मुख्तार अहमद, जसीम अहमद, असलूब अहमद, सरफ़राही, फैसल, शफक्कत रईस आदि अधिवक्त उपस्थित थे इस कार्यक्रम से पूर्व अपने नगीना भ्रमण के दौरान जिला चेयरमैन प्रशांत कुमार गोयल ने नगीना सिविल कोर्ट के अधिवक्ता रफत नईम को विधि विभाग का ब्लॉक कोतवाली का संयोजक मनोनीत किया है।

शराब के नशे में नाले में गिरकर व्यक्ति की मौत, परिवार में मचा कोहराम

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

थाना स्योहारा क्षेत्र के मोहल्ला चंचल पूरियांन, हिंदू चौधरीयान में गुरुवार की शाम एक व्यक्ति की नाले में गिरकर दर्दनाक मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि मृतक अत्यधिक शराब के नशे में था और असंतुलित होकर नाले में जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मुकेश शर्मा उर्फ जाजू (उम्र करीब 42 वर्ष) पुत्र स्वर्गीय सुमेर चंद्र के रूप में हुई है, जो स्थानीय निवासी था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मुकेश शर्मा नशे की हालत में सड़क पर लड़खड़ा रहा था।

इसी दौरान अचानक संतुलन बिगड़ने से वह नाले में जा गिरा। काफी देर तक जब वह नहीं निकला तो स्थानीय लोगों ने शोर मचाया और पुलिस को सूचना दी सूचना मिलते ही स्योहारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाले से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया पुलिस ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला अत्यधिक शराब के नशे में गिरने से मौत का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ग्रामीणों व मोहल्ले वालों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए प्रशासन से सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाने की मांग की है।

सैमियल सफाई कर्मचारी ने कभी भी अपने विभाग को शिकायत का मौका नहीं दिया : ख़लील

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगर पालिका सफाई कर्मचारी को समारोह पूर्वक विदाई दी गई,। इस मौके पर चेयरपर्सन ताहिरा खलील व अधिशासी अधिकारी रामाश्रय ने 6 लाख 17 हजार रू का चेक, शाल ओढा कर व फूल माला पहना कर विदाई दी।

नगर पालिका परिषद में कार्यरत सैमियल पुत्र इतवारी 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने पर नगर पालिका के मैदान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

चेयरपर्सन ताहिरा खलील के अध्यक्षता एवं सभासद सिद्दीक मुल्तानी के संचालन में आयोजित कार्यक्रम को सफाई निरीक्षक धीरज राय वर्मा, संदीप वाल्मीकि ,शेख शाहनवाज खलील, मनोज वाल्मीकि, व वार्ड सभासद कपिल पंवार ,रोहित बिश्नोई, गोपाल शर्मा, राजकुमार सैनी, रामकुमार यादव, आदि ने रिटायर्ड सफाई कर्मी सैमियल के कार्य की प्रशंसा की।

सभी ने कहा कि कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी जिम्मेदारी के साथ करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमियल एक मधुर व्यवहारिक सफाई कर्मचारि हैं। जिन्होंने कभी भी अपने विभाग को शिकायत का मौका नहीं दिया।

इस मौके पर पालिका अध्यक्ष ताहिरा खलील, अधिशासी अधिकारी न्यायिक एसडीएम रामाश्रय ने संयुक्त रूप से शाल उड़ा कर और फूल माला पहनाकर भाविनी विदाई दी।

साथ ही 6 लाख 17 हजार रुपए का चेक दिया। इसके अतिरिक्त स्टाफ के रोहित कुमार,महेश उर्फ द्वारा, अरविंद कुमार, धीरज कुमार, सोनू कुमार, नौगतराम, सफाई नायक सुभाष कुमार वाल्मीकि उर्फ बिट्टू वाल्मीकि, मेहर सिंह, सुंदर कुमार, रोहित भगत, सुजीत कुमार, सुरेश चंद, अनिल उर्फ बब्बू, राम भरोसे, तुलाराम, जयपाल सिंह, शेख तंज़ील आलम, सभासद आफताब मुल्तानी, मोहम्मद राशिद, मोहम्मद अहमद, बृजमोहन बिश्नोई ऊरफ़ बल्ली, बदर मुनीम, शारिक अहमद, अमित कुमार, डॉ राकेश कुमार, सहित समश्त सफाई कर्मचारी व पालिका स्टाफ मौजूद रहा।

संदिग्ध अवस्था में मामा-भांजे की मौत

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

अलीगढ़ में पॉच मिनट के अंदर मामा और भांजे की मौत हो गई। दोनों रात में छत पर सो रहे थे, तभी अचानक बारिश होने लगी।

दोनों छत से उतरकर नीचे आ गए। इस दौरान मामा के पेट में दर्द होने लगा। थोड़ी देर बाद भांजे के पेट में भी दर्द होने लगा। फिर शरीर में ऐंठन होने लगी। पीड़ा अधिक होने पर घर वालों को जानकारी दी। परिवार वाले लेकर अस्पताल गए। यहां गुरुवार सुबह इलाज के दौरान पहले मामा की मौत हो गई, उसके 5 मिनट बाद भांजे की भी हो गई। ये मामला थाना लोधा क्षेत्र के नंदपुर गांव का है।

बुधवार रात को मामा 34 वर्षीय सलीम व भांजे सात वर्षीय सुफियान ने साथ खाना खाया। इसके बाद दोनों साथ टहलते रहे। फिर दोनों छत पर सोने के लिए चले गए।

करीब दो घंटे तक दोनों मोबाइल चलाते रहे, फिर सो गए। थोड़ी देर बाद दोनों बारिश होने लगी। सलीम ने सुफियान को उठाया। कहा कि नीचे चलते हैं, तेज बारिश हो रही है। सुबह पॉच बजे करीब सलीम के पेट में दर्द होने लगा। थोड़ी देर बाद सुफियान के पेट में भी दर्द होने लगा। दोनों दर्द कराहने लगे।

परिजनों की जानकारी हुई। दोनों लेकर जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज लेकर गए। यहां इलाज के दौरान पहले मामा सलीम की मौत हो गई, जबकि पांच मिनट बाद भांजे सुफियान की मौत हो गई। मौत की खबर सुनकर परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे मे लेकर अंतय परीक्षण के लिए पोस्टमार्टम गृह के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने पर मौत की सही वजह पता चल सकेगी।

ट्रैक्टर ट्रॉली से कार की भिड़ंत, परखच्चे उड़े

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़

बुधवार की देर शाम दिल्ली कानपुर हाइवे पर बड़ा हादसा हो गया। सामने चल रहे ट्रैक्टर ट्रोली से कार की भिड़ंत हो गई। हादसे में कार सवार तीन व्यक्ति घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों की भीड़ जुट गई।

हाइवे एम्बुलेंस की मदद से तीनों घायलो को जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां दो की हालत गम्भीर बताई जा रही है। वहीं, ट्रेक्टर ट्रोली से टक्कर के बाद कार के परखच्चे उड़ गए। घायलो के परिजन अस्पताल पहुंच गए।

थाना अकराबाद के मोहल्ला गोला के रहने वाले गौरव पुत्र जितेंद्र यादव अपनी दुकान का सामान लेने अलीगढ़ जा रहा था। कार में उसके साथ रिश्त का भाई संतोष और मोहल्ला होली वाली गली का रहने वाला जीता भी बैठे थे। गौरव ने बताया कि सामान की पैकिंग न होने के चलते वे लोग वापस घर लौट रहे थे। राश्ते मे उनकी कार गांव सिसरोई के पास पहुंची थी। तभी सामने चल रहे ट्रैक्टर ट्रॉली के चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिए और कार ट्रैक्टर ट्रोली से टकरा गई। कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार तीनों व्यक्ति घायल हो गए। हाईवे पर राहगीरों में खलबली मच गई।

आसपास के ग्रामीणों घटनास्थल की तरफ दौड़ पड़े। घायल गौरव, संतोष, जीता को कार से बाहर निकाला। कंट्रोल रूम की सूचना पर पुलिस मौके पर आ गई। हाईवे एम्बुलेंस की मदद से तीनों घायलों को जिला अस्पताल भिजवाया। क्षतिग्रश्त कार को सड़क किनारे करते हुए ट्रैक्टर ट्रोली को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

एम्बुलेंस पर तैनात ईएमटी (फार्मासिस्ट) ने बताया घायलों में दो की हालत नाजुक है। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती करवा दिया है। उनके परिजनों को हादसे के खबर दे दी है।

बुधवार रात्रि घायलों का इलाज जारी था। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

आदेश की अवहेलना पर सफाई सुपरवाइजर निलंबित

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देशों के क्रम में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए अलीगढ़ नगर निगम ने एक बार फिर लापरवाही बरतने वाले कर्मचारी पर बड़ी कार्रवाई की है। सफाई व्यवस्था में घोर लापरवाही, उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना एवं कार्य के प्रति अनुत्तरदायित्व दिखाने के कारण सफाई सुपरवाइजर विष्णु गोपाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 28 जुलाई 2025 को नगर आयुक्त द्वारा प्रातःकाल सेन्टर पॉइंट से समद रोड तक के क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया था।

निरीक्षण के दौरान संबंधित क्षेत्र में भारी गंदगी पाई गई, जबकि संबंधित सफाई सुपरवाइजर मौके से नदारद थे। जिस पर विष्णु गोपाल को उक्त क्षेत्र से हटाकर नगर आयुक्त कार्यालय से सम्बद्ध किया गया था। किन्तु निर्देशों के उपरांत भी विष्णु गोपाल द्वारा न तो अपने नवीन कार्यस्थल पर योगदान आख्या प्रश्तुत की गई और न ही किसी प्रकार की सूचना कार्यालय को दी गई। यह न केवल प्रशासनिक अनुशासनहीनता है, बल्कि उत्तरदायित्वहीन आचरण का परिचायक भी है। नगर आयुक्त ने यह कृत्य कर्मचारी सेवा नियमावली का स्पष्ट उल्लंघन माना। नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कड़ा रुख अपनाते हुए विष्णु गोपाल, सफाई नायक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन की अवधि में नियमानुसार उन्हें जीवन निर्वाह भत्ते के रूप में 1/2 वेतन व भत्ते देय होंगे।

साथ ही, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच हेतु सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह को जांच अधिकारी नामित किया गया है। जांच अधिकारी द्वारा नियमानुसार आरोप पत्र निर्धारित अवधि में जारी किया जाएगा। नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि "स्वच्छता में कोई भी लापरवाही या आदेशों की अवहेलना बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर निगम की प्राथमिकता स्वच्छता के उच्च मानकों को बनाए रखना है और उसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों को पूरी तत्परता से कार्य करना होगा।

नगर निगम ने सभी सफाई सुपरवाइजरों एवं कर्मचारियों से अपेक्षा की है कि वे अपने-अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें और यदि किसी प्रकार की शिथिलता पाई जाती है, तो कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। कार्मिक के घर पर नोटिस चस्पा करवा दिया गया है।

तीन शातिर चोर किये गिरफ्तार

एनसीआर टुडे. अलीगढ़। जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन, क्षेत्राधिकारी छर्रा के कुशल पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक छर्रा राजेश कुमार के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा सीसीटीवी की सहायता से बीएनएस में वांछित अभियुक्तगण सिन्टू पुत्र भागीरथ, धर्मेन्द्र उर्फ दहिया पुत्र सोहनलाल व बादल पुत्र राकेश निवासीगण ग्राम धनसारी थाना छर्रा जनपद अलीगढ़ को चोरी के 75000 रुपये, तीन सोने के कड़े व तीन नाजायज चाकू सहित धनसारी कब्रिश्तान के पेड़ के नीचे से गिरफ्तार किया। अभियुक्तों से बरामद एक मोटरसाइकिल पी0बी0 07 ए0आर0 4283 होन्डा ड्रीम युवा रंग काला को कागजात न दिखाने पर धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया।

संपादकीय

बिहार को लेकर 'सुप्रीम' निर्णय

बिहार विधानसभा का चुनाव के दृष्टिगत सभी के भीतर इस बात को लेकर कौतूहल है कि वहां सरकार का नेतृत्व कर रहे नीतीश कुमार अगली बार फिर सत्ता में लौटेंगे या नहीं?दूसरे, यहां मोदी का जादू चलता है या नहीं? तीसरे, लालू की लालटेन यहां जलेगी या फिर राहुल गांधी कुछ विशेष कर पाएंगे? ये सारी बातें भी लोगों के लिए कौतूहल का कारण बन रही हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव की तिथि ज्यों-ज्यों निकट आती जा रही है, त्यों-त्यों राजनीतिक दल सत्ता में आने के लिए तरह-तरह से हाथ पांव मार रहे हैं। सत्ता में आना प्रत्येक राजनीतिक दल का अधिकार है, परन्तु उसके लिए अनिवार्य कसौटी होती है-लोकप्रियता। लोकप्रियता का अर्थ है- जनता का साथ मिलना। लोकतंत्र में जनता के मत का सम्मान करना सबसे अनिवार्य होता है, परंतु भारत के राजनीतिक दल लोकतंत्र के इस अनिवार्य मूल्य की 'हत्या' करके भी सत्ता हथियाने का प्रयास करते रहे हैं। इसके लिए वे लोक और तन्त्र दोनों की दृष्टि में धूल झोंककर भी सत्ता हथियाने का प्रयास करते हैं। इसमें सबसे बड़ी बात यह होती है कि अधिकांश राजनीतिक दल मतदाता सूची को मनमाने ढंग से संशोधित और परिवर्तित करने का प्रयास करते हैं। यदि बिहार चुनाव की बात करें तो यहां पर भी चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। पता चला है कि 7 लाख ऐसे फर्जी मतदाता मतदाता सूचियों में सम्मिलित कर लिए गए हैं, जिनका एक से अधिक स्थानों पर पहले से ही वोट बन चुका है। इसके अतिरिक्त 20 लाख मतदाता ऐसे हैं, जिनकी पूर्व में ही मृत्यु हो चुकी है। जबकि 28 लाख मतदाता ऐसे हैं जो अपने मूल स्थान से अन्यत्र पलायन कर चुके हैं। कुल मिलाकर लगभग 62 लाख फर्जी मतदाता अभी तक बिहार की विधानसभा के चुनावों की मतदाता सूची में फर्जी रूप में पकड़े जा चुके हैं।

लोकतंत्र की हत्या करने के इस बड़े खेल को कौन कर रहा था? यदि यह प्रश्न किया जाए तो पता चलता है कि जो राजनीतिक दल आज भारत के चुनाव आयोग को इसलिए गाली दे रहे हैं कि उसने मतदाता सूची में दर्ज किए गए इन नामों को यथावत क्यों नहीं रहने दिया? वही वे अपराधी हैं जो 'लोकतंत्र की हत्या' के इस खेल में सम्मिलित हैं।

चुनाव आयोग ने डंडा लेकर ऐसे राजनीतिक दलों की पीठ को तोड़ना आरंभ किया तो उन्होंने चीखना चिल्लाना आरंभ कर दिया कि भारत में चुनाव आयोग मनमानी कर रहा है। अपनी तानाशाही चला रहा है और पूरी तरह गुंडागर्दी पर उतर आया है। देश के जनमानस को इस प्रकार के शोर शराबे को गंभीरता से लेना चाहिए और समझना चाहिए कि लोकतंत्र की हत्या में सम्मिलित राजनीतिक दल इस प्रकार का शोर क्यों मचा रहे हैं? इस प्रकार के शोर शराबे में सम्मिलित राजनीतिक दल भारत के सर्वोच्च न्यायालय के सामने भी पहुंच गए हैं। वहां पहुंचने पर इन राजनीतिक दलों ने सर्वोच्च न्यायालय को बिहार चुनाव आयोग के इस प्रकार के मनमाने आचरण पर रोक लगाने के लिए कहा है।

परंतु सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में मतदाता सूची के मसौदा (ड्राफ्ट वोटर लिस्ट) के प्रकाशन पर कोई रोक लगाने से इनकार कर दिया है। भारत के सर्वोच्च न्यायालय की ओर से चुनाव आयोग को कहा गया है कि वो इस प्रक्रिया में आधार कार्ड और मतदाता फोटो पहचान पत्र अर्थात वोटर आईडी कार्ड (EPIC) को भी सम्मिलित करे। चुनावी प्रक्रिया को पूर्णतया पारदर्शी बनाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव आयोग को यह भी निर्देश दिया है कि यदि कहीं नाम काटे जा रहे हैं तो यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि जो नाम मतदाता सूची में सम्मिलित कर लेने चाहिए थे, परंतु नहीं किये जा सके हैं, उन्हें मतदाता सूची में जोड़ भी लिया जाए।

वास्तव में भारतीय लोकतंत्र की यह सबसे बड़ी विडंबना है कि यहां पर प्रधान से लेकर संसद तक के सबसे बड़े चुनाव तक में मतदाता सूचियों में बड़ी गड़बड़ी होती है। जिले स्तर पर होने वाले जिला पंचायत के चुनाव में तो जिला पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव पूरी तरह गुंडागर्दी पर आधारित होकर रह गया है। सारा देश जानता है कि जिला पंचायत के अध्यक्ष के चुनाव में किस प्रकार जिला पंचायत सदस्यों को खरीदने का खुल्लम-खुल्ला काम होता है? इसी प्रकार ब्लॉक प्रमुख के चुनाव में भी गुंडागर्दी होती है। यदि हम शहरी रेजिडेंशियल वेलफेयर एसोसिएशन के चुनावों को देखें तो वहां पर भी लोग विकास कार्यों पर कम ध्यान देते हैं, राजनीतिक उठापटक में अधिक लगे रहते हैं। अपनी सोसाइटी के अध्यक्ष पद को कैसे हथियाया जाए?-इस पर सभी का ध्यान केंद्रित रहता है। इस सबके उपरांत भी लोकतंत्र के हत्यारों को 'बदमाशी' करने से रोका नहीं जाता।

हम इस लेख के माध्यम से माननीय सर्वोच्च न्यायालय का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहते हैं कि अकेले बिहार की मतदाता सूचियों के ही निरीक्षण पुनरीक्षण का कार्य किया जाना पर्याप्त नहीं है, पूरे देश की यही बीमारी है। लोकतंत्र के नाम पर यहां पर गली मोहल्लों तक में चुनाव होते हैं, परंतु धांधली सभी में होती है। सभ्य और शालीन लोगों का चुनाव के प्रति ध्यान और आकर्षण भंग हो चुका है। वे इसे अपराधियों के लिए छोड़ चुके हैं। इसलिए भारतवर्ष में चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र निकाय के साथ-साथ मजबूत और आत्म स्वावलंबी निकाय बनाया जाना भी आवश्यक है।

इसके पास अपना सुरक्षा बल और अपने अधिकारी जिले स्तर तक होने चाहिए। अभी तक हो यह रहा है कि किसी भी चुनाव के समय जिलाधिकारी, एसडीएम, तहसीलदार और उनका समस्त विभाग और उसके कर्मचारी चुनाव आयोग के अधीन कार्य करना आरंभ कर देते हैं। परंतु अप्रत्यक्ष रूप से उन पर अपनी सरकार का ही 'अंकुश' होता है। जिससे सरकार को प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग करने का अवसर उपलब्ध हो जाता है।

इसलिए प्रत्येक चुनाव में धांधली होना स्वाभाविक होता है। इसी के चलते चुनाव आयोग पर हर चुनाव में धांधली के आरोप लगते हैं। यदि सत्ता पक्ष पूर्ण पारदर्शिता अपनाना चाहता है तो उसे अपनी ओर से यह पहल करनी चाहिए कि वह चुनाव आयोग को एक स्वतंत्र निकाय के साथ-साथ उसका अपना सुरक्षा बल स्थाई रूप से उपलब्ध कराएगा?

सर्वोच्च न्यायालय को देखना चाहिए कि लोकतंत्र के हत्यारे कहां-कहां हैं और कैसे-कैसे ढंग से लोकतंत्र की हत्या की जा रही है? बिहार के संदर्भ में न्यायालय ने जो निर्णय लिया है, उसके लिए बधाई।

वायु प्रदूषण से स्मृति-लोप का बढ़ता खतरा

ललित गर्ग

पर्यावरण की उपेक्षा एवं बढ़ता वायु प्रदूषण मनुष्य स्वास्थ्य के लिये न केवल घातक हो रहा है, बल्कि एक बीमार समाज के निर्माण का कारण भी बन रहा है। हाल ही में हुए एक मेटा-अध्ययन ने वायु प्रदूषण और बिगड़ती स्मृति के बीच एक खतरनाक संबंध का खुलासा किया है। हवा में मौजूद विषैले कण-खासकर महीन धूल और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसें, जो मुख्य रूप से वाहनों और औद्योगिक प्रक्रियाओं से निकलती हैं, हमारे मशितष्क को सीधे प्रभावित कर रही हैं।

यह व्यापक शोध लगभग 3 करोड़ व्यक्तियों से जुड़े 51 अध्ययनों पर आधारित है। ये निष्कर्ष भारत जैसे देशों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक हैं, जहाँ वायु प्रदूषण का श्तर दुनिया में सबसे अधिक है। अगर धनी और विकसित देश भी प्रदूषण के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों से जूझ रहे हैं, तो भारत लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकता। वायु प्रदूषण से निपटना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि प्रदूषित हवा के नियमित संपर्क में रहने से मनोभ्रंश एवं स्मृति-लोप का खतरा काफी बढ़ जाता है, यह एक ऐसी प्रगतिशील स्थिति है जो स्मृति और संज्ञानात्मक क्षमताओं को क्षीण कर देती है। दुनिया भर में, लगभग 5.74 करोड़ लोग पहले से ही मनोभ्रंश से प्रभावित हैं।

वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए तत्काल कार्रवाई न किए जाने पर, यह संख्या 2050 तक तिगुनी होकर 15.28 करोड हो सकती है। मनोभ्रंश अर्थात डिमेंशिया या भूलने की बीमारी का दुनिया में बढ़ता खतरा इतना बड़ा है कि आगामी पच्चीस वर्ष में इस बीमारी से ग्रश्त लोगों की संख्या तीन गुना हो जाएगी।

शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण में खासकर कार से निकलने वाले धुएं या उत्सर्जन को गंभीर माना है। उल्लेखनीय है कि लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने वाले लोगों के मशितष्क की कार्यक्षमता में एक दशक तक की गिरावट देखी जा सकती है, उदाहरण के लिए, लगातार जहरीली हवा में सांस लेने वाला 50 वर्षीय व्यक्ति 60 वर्षीय व्यक्ति के समान संज्ञानात्मक क्षमता प्रदर्शित कर सकता है।

वायु प्रदूषण का सबसे पहला असर फेफड़ों और दिल पर पड़ता है, लेकिन यह वहीं तक सीमित नहीं रहता। हवा में मौजूद ये छोटे-छोटे कण हमारी सांस के जरिए खून में चले जाते हैं और फिर सीधे दिमाग तक पहुंच जाते हैं। इससे-याद रखने की क्षमता कमजोर होती है। ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो जाता है। सीखने और नई बातें याद रखने में दिक्कत होती है। कुछ मामलों में डिप्रेशन यानी अवसाद की संभावना बढ़ जाती है।

द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित इस अध्ययन में पाया गया कि पीएम 2.5 (सूक्ष्म कण पदार्थ) में प्रति घन मीटर 10 माइक्रोग्राम की वृद्धि से स्मृति संबंधी बीमारियों का खतरा 17 प्रतिशत बढ़ जाता है।

वाहनों के धुएँ और जलती हुई लकड़ी से निकलने वाले ब्लैक कार्बन में एक माइक्रोग्राम की भी वृद्धि से यह खतरा 13 प्रतिशत बढ़ जाता है। ये सूक्ष्म कण हमारे श्वसन और परिसंचरण तंत्र को दरकिनार कर मशितष्क तक पहुँच सकते हैं और सूजन व ऑक्सीडेटिव तनाव पैदा कर सकते हैं, जिससे अंततः न्यूरॉन्स को नुकसान पहुँचता है।

इसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं। प्रदूषित हवा न केवल फेफड़ों और हृदय के स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि याददाश्त, एकाग्रता, सीखने और भावनात्मक स्थिरता को भी कमज़ोर करती है।

अध्ययनों से पता चला है कि उच्च प्रदूषण वाले क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे स्वच्छ वातावरण में रहने वालों की तुलना में स्कूल की परीक्षाओं में खराब प्रदर्शन करते हैं। प्रदूषित हवा के संपर्क में आने वाले वयस्क अक्सर चिड़चिड़ापन, थकान और यहाँ तक कि अवसाद का अनुभव करते हैं।

उनकी उत्पादकता और निर्णय लेने की क्षमता भी प्रभावित हो सकती है।

प्रदूषण से प्रेरित स्मृति हानि का प्रभाव केवल व्यक्तियों तक ही सीमित नहीं है, यह शैक्षिक परिणामों, कार्यस्थल की दक्षता और सामाजिक निर्णय लेने को भी प्रभावित करता है। आँकड़े दर्शाते हैं कि उच्च-पीएम क्षेत्रों में लोग मौखिक प्रवाह, तर्क, सीखने और स्मृति परीक्षणों में कम अंक प्राप्त करते हैं, जो शिक्षा का एक पूरा वर्ष गँवाने के समान है।

एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि कैसे किराने की खरीदारी जैसे नियमित कार्यों में संज्ञानात्मक विकर्षण प्रदूषण के संपर्क में आने से बढ़ जाता है। वृद्ध और कम शिक्षित व्यक्ति विशेष रूप से असुरक्षित होते हैं, अक्सर रोज़मर्रा के कार्य करने की क्षमता खो देते हैं और दूसरों पर अधिक निर्भर हो जाते हैं।

बढ़ते खतरे के बावजूद, चिकित्सा विज्ञान वर्तमान में मनोभ्रंश का कोई निश्चित इलाज नहीं देता है। मौजूदा उपचार सीमित और अक्सर अप्रभावी होते हैं, जिससे मरीज धीरे-धीरे अपनी याददाश्त और स्वतंत्रता खो देते हैं। अध्ययन के सह-प्रमुख लेखक, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के डॉ. क्रिस्टियन ब्रेडल इस बात पर ज़ोर देते हैं कि मनोभ्रंश की रोकथाम केवल स्वास्थ्य सेवा की ज़िम्मेदारी नहीं है। शहरी नियोजन, परिवहन नीतियां और पर्यावरणीय नियम, सभी इस संकट से निपटने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

वायु प्रदूषण न केवल व्यक्तिगत स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि सामूहिक सोच, जीवनशैली विकल्पों और पर्यावरणीय निर्णयों को भी विकृत करता है। बड़े पैमाने पर, यह शैक्षिक उपलब्धि में कमी, उत्पादकता में कमी, स्वास्थ्य सेवा के बढ़ते बोझ और गहरी होती आर्थिक असमानताओं में योगदान देता है।

वाशिंगटन में 12 लाख लोगों पर किए गए एक अलग अध्ययन से पता चला है कि जंगल की आग के धुएँ के संपर्क में आने से, जो पीएम 2.5 के श्तर को बढ़ाता है, मनोभ्रंश का खतरा 18-21 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय द्वारा की गई एक और व्यापक समीक्षा (51 अध्ययनों में 2.9 करोड़ लोगों पर) ने पुष्टि की कि पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मनोभ्रंश का खतरा 13-17 प्रतिशत तक बढ़ जाता है।

विज्ञान स्पष्ट है कि ये सूक्ष्म कण श्वसन तंत्र और मशितष्क में गहराई तक प्रवेश करते हैं, मशितष्क के कार्य को बाधित करते हैं और मानसिक गिरावट को तेज़ करते हैं।

हाल ही में चीन में हुए एक शोध में भी पीएम और नाइट्रोजन ऑक्साइड के संपर्क को मध्यम आयु वर्ग और वृद्ध लोगों में संज्ञानात्मक क्षमता में कमी, विशेष रूप से कार्यशील स्मृति में कमी से जोड़ा गया है।

यह एक बढ़ता हुआ संकट है जिसके प्रभाव न केवल व्यक्तियों पर बल्कि पूरे समाज पर पड़ रहे हैं। हमें यह स्वीकार करना होगा कि वायु प्रदूषण अब केवल खांसी या सांस की बीमारी तक सीमित नहीं है, यह चुपचाप हमारी स्मृति, संज्ञानात्मक कार्यों और मानसिक स्वास्थ्य पर हमला कर रहा है।

लोग मानसिक थकान, अवसाद या चिड़चिड़ापन महसूस कर सकते हैं। सामूहिक श्तर पर, शिक्षा और उत्पादकता में गिरावट, स्वास्थ्य पर बढ़ता बोझ और आर्थिक असमानता बढ़ती है। अगर तत्काल और निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति और बिगड़ेगी। वायु प्रदूषण शरीर में हानिकारक रासायनिक प्रतिक्रियाओं को जन्म देता है जो कोशिकाओं, प्रोटीन और डीएनए को नुकसान पहुँचाती हैं, जिससे मनोभ्रंश जैसी तंत्रिका संबंधी बीमारियों का मार्ग प्रशश्त होता है।

उत्साहजनक रूप से, शोध बताता है कि वायु प्रदूषण को कम करने से स्वास्थ्य, आर्थिक, सामाजिक और जलवायु क्षेत्रों में दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। इससे मरीजों, परिवारों और देखभाल करने वालों पर बोझ भी कम होगा। अब हमें खुद से यह सवाल पूछना होगा कि हम न केवल अपने फेफड़ों, बल्कि अपने दिमाग की भी रक्षा के लिए कितनी दूर तक जाने को तैयार हैं?

(लेखक पत्रकार एवं स्तंभकार है)

राहुल : आज के साथ भविष्य के नागरिकों की चिंता

सर्वमित्रा सुरजन

अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ-साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और ज़ैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी।

राहुल गांधी पर एक बड़ी खबर मंगलवार को सामने आई। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में पाकिस्तान की तरफ से हुई गोलीबारी से जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारी तबाही मची थी। कई निर्दोष नागरिकों ने इन हमलों में अपनी जान गंवाई थी। पाकिस्तान के हमले और मोदी सरकार की लापरवाही ने कई परिवारों को उजाड़ दिया है, कई बच्चे अनाथ हो चुके हैं। राहुल गांधी ने अब ऐसे 22 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई का पूरा जिम्मा उठाया है।

जम्मू-कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हामिद कर्रा ने कहा है कि राहुल गांधी पुंछ के उन 22 बच्चों की शिक्षा का पूरा खर्चा उठाएंगे जिन्होंने अपने दोनों माता-पिता पाक गोलीबारी में गंवा दिए थे। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च राहुल गांधी तब तक उठाएंगे, जब तक ये स्नातक नहीं हो जाते। इसके अलावा अगर कोई बच्चा इंजीनियरिंग या मेडिकल जैसे प्रोफेशनल कोर्सेस में प्रवेश लेता है, तो उसमें भी खर्च का जिम्मा राहुल गांधी ही उठाएंगे।

गौरतलब है कि दो महीने पहले मई में राहुल गांधी ने पुंछ का दौरा किया था। उन्होंने तब अपने स्थानीय नेताओं से अपील की थी कि वे प्रभावित बच्चों की एक सूची तैयार करें, जिन्हें वाकई मदद की जरूरत है। उसके बाद ही राज्य कांग्रेस इकाई ने सरकारी रिकॉर्ड्स खंगाल कर, सर्वे कर सूची तैयार की। बुधवार को इन बच्चों के लिए मदद की पहली किश्त जारी भी कर दी गई है। जब राहुल पुंछ गए थे, उस वक्त के बहुत से वीडियो सामने आए, जिनमें वे उजड़े मकानों में गए, गली-गली घूमकर उन्होंने पुंछ के स्थानीय लोगों से उनका दर्द और डर दोनों साझा किया था। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे, स्कूल सब जगह पाकिस्तान ने हमले किए थे। आम लोगों को निशाना बनाया था। अगर ऑपरेशन सिंदूर शुरु करने के साथ ही मोदी सरकार ने एहतियात बरती होती तो शायद मासूम लोगों की जान बचाई जा सकती थी।

लेकिन सरकार ने सीमावर्ती इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर नहीं भेजा, जबकि संसद में प्रधानमंत्री मोदी ने ही दावा किया है कि 9 मई को अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उन्हें आगाह किया था कि पाकिस्तान बड़ा हमला करने वाला है। इसके जवाब में नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि अगर पाकिस्तान का ये इरादा है तो उसे बहुत महंगा पड़ेगा और हम उससे भी बड़ा हमला करेंगे और उसका जवाब देंगे।

किसी की धमकी में न आना अच्छी बात है, लेकिन पाकिस्तान को क्या महंगा पड़ेगा और क्या सस्ता, इस बारे में बात करने से बेहतर होता कि श्री मोदी इस बात की चिंता करते कि देश के लोगों की जान कैसे खतरे में पड़ चुकी थी। पहलगाम में असावधानी का नतीजा भुगतने के बावजूद सीमावर्ती इलाकों में फिर वही असावधानी सरकार ने दिखाई।

जिसका खामियाजा आम नागरिकों ने भुगता। इसके बाद भी सरकार को अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने विदेशी मीडिया की आलोचना करते हुए कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा है और इसमें भारत को हुए नुकसान की खबरें गलत हैं, हमारा एक कांच भी नहीं टूटा है। ऐसा ही दावा गृहमंत्री अमित शाह ने मंगलवार को संसद में किया कि मोदी सरकार जब से आई है जम्मू-कश्मीर के किसी नागरिक की जान हमले में नहीं गई है।

देश का मीडिया सरकार का भोंपू बनकर ऐसी खबरों को इतना प्रचारित करता है कि लोग उसे ही सच मानने लगते हैं। लेकिन जो सामने घटा है, क्या उससे आंख मूंदी जा सकती है। अगर एक भी कांच नहीं टूटा या एक भी नागरिक की मौत नहीं हुई तो फिर राहुल गांधी के बाद खुद अमित शाह ने पुंछ का दौरा क्यों किया था।

बहरहाल संसद में दो दिन तक जिस अंदाज में सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा चलाई उससे जाहिर हो गया कि पहलगाम घटना को भी श्री मोदी ने आपदा में अवसर की तरह ही लिया है। अपने प्रचार के लिए सेना की वर्दी पहनकर खुद के आदमकद पोस्टर नरेन्द्र मोदी ने देश भर में लगवाए, सिंदूर शब्द को लेकर बेतुकी बातें कीं, दुनिया भर में प्रतिनिधिमंडल को भेजने के लिए जनता के करोड़ों रूपए खर्च कर दिए।

ऑपरेशन सिंदूर के पोस्टर समेत इस पूरे प्रचार-प्रसार के लिए जितना सरकारी धन खर्च किया, उसका थोड़ा सा हिस्सा पहलगाम पीड़ितों या अनाथ बच्चों पर खर्च किया जा सकता है, ऐसा खयाल भाजपा या प्रधानमंत्री के जेहन में नहीं आया होगा, क्योंकि उनकी निगाह लोगों के दर्द से ज्यादा दर्द का सियासी लाभ लेने पर रहती है। लॉकडाउन के समय पीएम केयर्स फंड बना लिया, लेकिन उसका भी हिसाब-किताब देने में आनाकानी होती रही।

ऐसा नहीं है कि इस देश में प्राकृतिक आपदाएं या आतंकी घटनाएं, युद्ध सब अभी हो रहे हैं, इन सबका सामना भारत ने पहले भी किया है। पहले भी सरकारों से आकलन में या हालात संभालने में गलतियां हुई हैं। लेकिन ऐसा दुस्साहस किसी ने नहीं किया कि जिन घटनाओं में मासूम नागरिक मारे जाएं, उन पर भी राजनैतिक रोटी सेंकी जाए।

अभी यही सब हो रहा है और ऐसे में राहुल गांधी के परोपकार या मानवीयता दिखाने वाले फैसले नयी उम्मीद बंधाते हैं। जब निर्भया कांड हुआ था, तब पीड़िता के इलाज की पूरी व्यवस्था तत्कालीन सरकार ने की थी, लेकिन उसके बाद पीड़िता के परिवार की सुध लेने का काम निजी तौर पर राहुल गांधी ने किया, निर्भया के भाई के पायलट बनने के सपने को साकार किया। रामचेत मोची की दुकान पर राहुल रुके थे और उनके हालात को समझा था।

कुछ ही दिनों में रामचेत की दुकान पर जूते सिलने की नयी मशीन आ गई, अब उनका काम इतना अच्छा चल रहा है कि उन्होंने दिल्ली आकर अपने हाथों से बनाए जूते राहुल को भेंट किए और कहा कि भईया के कारण जिंदगी बदल गई। हरियाणा में किसानों के साथ राहुल ने काम किया, उनके घर की महिलाओं के हाथ का भोजन किया।

उन्होंने दिल्ली आने की इच्छा जतलाई तो बाकायदा दिल्ली बुलाया और एक महिला के मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया। अमेरिका में डंकी रूट से गए प्रवासी भारतीयों की तकलीफों को समझा, देश लौटकर उनके परिजनों से मिले, एक बच्चे की उसके पिता से बात करवाई।

अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली में बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले बच्चों से मिले, उन्हें लैपटॉप दिया। ये कुछ गिनती के उदाहरण हैं, जिनमें राहुल ने लोगों की मदद की है। कितने लोगों की मदद तो राहुल गांधी ने चुपचाप की होगी, इसका पता भी नहीं, क्योंकि उनकी खबरें बाहर नहीं आईं।

अनुभवी लोग कहते हैं दर्द बांटने से कम होता है, खुशी बांटने से बढ़ती है। राहुल गांधी इस समय राजनीति के साथ-साथ मानवता की ऐसी ही मिसाल कायम करते जा रहे हैं। जब मई में राहुल गांधी पुंछ गए थे तो वे उस क्राइस्ट पब्लिक स्कूल भी गए थे, जहां पढ़ने वाले 12 साल के जुड़वां बच्चे उर्बा फातिमा और ज़ैन अल की पाक हमलों में मौत हो गई थी।

इन बच्चों के दोश्तो, सहपाठियों और बाकी बच्चों को अपने दो साथियों की अकाल मौत पर कैसा महसूस हो रहा होगा, इस पीड़ा को राहुल गांधी ने समझा। उन्होंने वहां बच्चों को हौसला बंधाया कि अभी सब ठीक नहीं है, लेकिन धीरे-धीरे सब ठीक हो जाएगा।

राहुल गांधी ने बच्चों से कहा कि इस स्थिति से निपटने के लिए आपका एक ही तरीका होना चाहिए। खूब मन लगाकर पढ़ाई करें, जी भर कर खेलें और खूब सारे नए दोश्त बनाएं। आज के वक्त में बाल मनोविज्ञान को समझ कर युद्ध जैसे कठिन हालात में बच्चों को हौसला और उम्मीद बनाए रखने की सीख देना और इस तरह उन्हें सांत्वना देना कि मन में कड़वाहट बिल्कुल न आए, जब वे बड़े हों तो नफरत की जगह मोहब्बत से बात करना सीखें, ऐसा करने वाले लोग बिरले ही हैं। राजनीति में तो ऐसे लोग और कम हो चुके हैं। लेकिन अच्छा है कि राहुल गांधी आज के साथ-साथ भविष्य के नागरिकों की भी सुध ले रहे हैं।

'स्क्रीन का शिकंजा : ऑस्ट्रेलिया से सबक लेता भारत?'

ऑस्ट्रेलिया ने 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए यूट्यूब समेत सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर प्रतिबंध लगाने का साहसिक फैसला लिया है। यह कदम बच्चों को ऑनलाइन दुनिया के नकारात्मक प्रभावों से बचाने के लिए उठाया गया है। भारत जैसे देशों में, जहां डिजिटल लत तेजी से फैल रही है, वहां इस तरह की नीति बेहद जरूरी हो गई है। यह समय है कि भारत भी बच्चों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए स्पष्ट कानून बनाए, अभिभावकों को जागरूक करे और बच्चों को स्क्रीन की लत से मुक्त करके संतुलित विकास की दिशा में कदम बढ़ाए। ऑस्ट्रेलिया के फैसले से दुनिया के देशों को सबक लेना चाहिए कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने का समय अब आ गया है....

डॉ. प्रियंका सौरभ-

'बचपन अब किताबों से नहीं, स्क्रीन की चमक से आकार ले रहा है।" यह वाक्य अब सिर्फ साहित्यिक प्रतीक नहीं रहा, बल्कि हमारे समाज की वाश्तविकता बन चुका है।

मोबाइल, टैबलेट और इंटरनेट की पहुँच बच्चों तक इतनी सहज हो चुकी है कि चार साल का बच्चा भी यूट्यूब पर कार्टून देख सकता है और दस साल का बच्चा इंस्टाग्राम पर रील्स बनाना जानता है।

ऐसी स्थिति में ऑस्ट्रेलिया सरकार द्वारा लिया गया फैसला न सिर्फ साहसिक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सुरक्षित रखने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम भी है। ऑस्ट्रेलिया ने यह तय कर दिया है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चे यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म का भी उपयोग नहीं कर सकेंगे। यह नीति 10 दिसंबर से लागू हो रही है, और इसका उल्लंघन करने पर संबंधित प्लेटफार्मों पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की संसद पहले ही फेसबुक, इंस्टाग्राम, स्नैपचैट, टिकटॉक और एक्स जैसे प्लेटफार्मों को 16 साल से कम आयु के बच्चों के लिए प्रतिबंधित कर चुकी है। अब यूट्यूब को भी इसी दायरे में शामिल किया गया है। यह दुनिया का पहला कानून है जो बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को लेकर इतनी स्पष्टता और कठोरता के साथ लागू किया जा रहा है।

नियमों के मुताबिक अगर कोई प्लेटफार्म 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सेवाएं देना जारी रखता है, तो उस पर 5 करोड़ ऑस्ट्रेलियाई डॉलर तक का जुर्माना लगाया जाएगा। यह कोई सामान्य चेतावनी नहीं है, बल्कि टेक कंपनियों को जवाबदेह बनाने की एक गंभीर कोशिश है।

ऑस्ट्रेलिया की सरकार का मानना है कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने यह स्पष्ट कहा है कि माता-पिता को यह जानने का हक है कि उनके बच्चे क्या देख रहे हैं और किसके प्रभाव में हैं।

यूट्यूब जैसे प्लेटफार्म पर जो सामग्री बच्चों के सामने आती है, वह कई बार हिंसा, लैंगिक पूर्वाग्रह, अपशब्दों और अमर्यादित व्यवहार से भरी होती है। इतना ही नहीं, बच्चों को लगातार विज्ञापन, ब्रांडेड कंटेंट और चकाचौंध वाली ज़िंदगी दिखाकर उनकी असल दुनिया से दूरी बढ़ाई जा रही है।

यूट्यूब का कहना है कि वह केवल एक वीडियो होस्टिंग प्लेटफार्म है और उसे सोशल मीडिया की श्रेणी में नहीं रखा जाना चाहिए। यूट्यूब के प्रवक्ता का तर्क है कि 13 से 15 साल के लगभग तीन-चौथाई ऑस्ट्रेलियाई किशोर इसका उपयोग करते हैं और इसे शैक्षणिक, रचनात्मक व मनोरंजक उद्देश्यों के लिए इश्तेमाल किया जाता है।

पर सवाल उठता है कि क्या यूट्यूब या अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्म बच्चों के लिए वाकई सुरक्षित हैं? क्या वे सुनिश्चित करते हैं कि बच्चों को केवल उपयुक्त और सकारात्मक सामग्री ही दिखाई जाए? वाश्तविकता यह है कि अधिकतर टेक कंपनियाँ केवल व्यूज, क्लिक और विज्ञापन राजस्व के लिए काम करती हैं, न कि बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए। भारत जैसे देशों में यह मुद्दा और अधिक गंभीर हो जाता है। यहां इंटरनेट यूज़र्स की संख्या करोड़ों में है, जिनमें बड़ी संख्या किशोरों और स्कूली बच्चों की है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 13 से 17 वर्ष के बच्चे हर दिन औसतन तीन घंटे से अधिक समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं। इतनी कम उम्र में जब बच्चों को किताबों, खेल और सामाजिक मेल-जोल में समय बिताना चाहिए, वे अपने कमरे में अकेले बैठकर स्क्रीन से चिपके रहते हैं। इससे न सिर्फ उनकी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक विकास भी बाधित होता है।

स्कूलों में शिक्षकों को अब इस बात की चिंता होती है कि विद्यार्थी पढ़ाई पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि रात भर मोबाइल पर लगे रहते हैं। माता-पिता इस कशमकश में रहते हैं कि बच्चों को मोबाइल दें या न दें, क्योंकि अगर वे न दें तो बच्चा पिछड़ने का डर जताता है, और दें तो स्क्रीन की लत लग जाती है।

डिजिटल लत अब नशे की तरह फैल चुकी है। बच्चों में चिड़चिड़ापन, नींद की कमी, एकाग्रता में गिरावट और रिश्तों से दूरी जैसी समस्याएँ अब आम हो चुकी हैं। कुछ बच्चे तो सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग और साइबर बुलिंग का शिकार हो रहे हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है।

भारत में अभी तक इस मुद्दे पर कोई ठोस नीति नहीं बन पाई है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर 13 साल की आयु सीमा तो तय है, लेकिन उसका पालन कोई नहीं करता। बच्चे गलत उम्र डालकर खाते बना लेते हैं और बिना किसी निगरानी के उनका इश्तेमाल करते हैं। माता-पिता की भूमिका भी संदिग्ध है-कुछ अभिभावक खुद ही बच्चों को स्क्रीन थमाकर व्यश्त कर लेते हैं, जबकि उन्हें मार्गदर्शक बनना चाहिए। इसके अलावा, भारत में स्कूल श्तर पर भी डिजिटल नैतिकता की शिक्षा का अभाव है। बच्चों को यह नहीं सिखाया जाता कि तकनीक का विवेकपूर्ण उपयोग कैसे करें, फर्जी समाचारों से कैसे बचें, या साइबर खतरों से कैसे सतर्क रहें। समस्या सिर्फ टेक्नोलॉजी की नहीं है, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक जागरूकता की भी है। जब तक माता-पिता, शिक्षक और सरकारें मिलकर यह तय नहीं करेंगी कि बच्चों को किस तरह की डिजिटल दुनिया में प्रवेश करना है, तब तक कोई भी तकनीकी समाधान प्रभावी नहीं हो सकता। डिजिटल अनुशासन केवल कानून से नहीं, संस्कार और समझ से आता है।

ऑस्ट्रेलिया का यह कदम इस मायने में प्रेरक है कि उसने बच्चों की डिजिटल सुरक्षा को प्राथमिकता दी और टेक कंपनियों को चुनौती दी। भारत को भी अब इंतज़ार नहीं करना चाहिए। यह समय है जब सरकार एक स्पष्ट और सख्त नीति बनाए कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया और मनोरंजक प्लेटफार्म से दूर रखा जाएगा। साथ ही, कंटेंट फिल्टरिंग, स्क्रीन टाइम लिमिट, और आयु सत्यापन जैसी तकनीकों को अनिवार्य किया जाए। इसके साथ ही अभिभावकों के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएँ, ताकि वे यह समझ सकें कि बच्चों के जीवन में स्क्रीन की भूमिका क्या होनी चाहिए। स्कूलों में डिजिटल नागरिकता की शिक्षा को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए। मीडिया और फिल्म जगत को भी यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि वे बच्चों के लिए सकारात्मक, मूल्य-आधारित और प्रेरक सामग्री का निर्माण करें।

याद रखना चाहिए कि आज के बच्चे कल का समाज तय करेंगे। अगर वे अभी से वर्चुअल दुनिया के भ्रम में खो जाएँगे, तो उन्हें वाश्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने की ताकत नहीं मिल पाएगी। एक ऐसा समाज तैयार होगा जो स्क्रीन पर जीता होगा, लेकिन जीवन की सच्चाईयों से दूर होगा।

बचपन केवल उम्र का एक पड़ाव नहीं होता, वह मानव जीवन की नींव होता है। अगर उस नींव में सोशल मीडिया की दरारें भर जाएँगी, तो ऊपर खड़ी होने वाली इमारत कभी मजबूत नहीं बन सकेगी। ऑस्ट्रेलिया ने यह संदेश दुनिया को दिया है कि बच्चों को संरक्षित करना केवल पारिवारिक जिम्मेदारी नहीं, राष्ट्र की नीति होनी चाहिए।

भारत को चाहिए कि वह इस चेतावनी को गंभीरता से ले और भविष्य की पीढ़ियों को सिर्फ डिजिटल दक्ष नहीं, बल्कि संतुलित, संवेदनशील और सुरक्षित नागरिक बनाए। अब समय आ गया है कि हम अपने बच्चों को स्क्रीन से थोड़ी दूरी देकर, उनके जीवन में फिर से किताबों, खेलों और संबंधों को जगह दें। वरना, वह दिन दूर नहीं जब बच्चे हमारे साथ नहीं, बल्कि सिर्फ स्क्रीन के साथ बड़े होंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

गांवों में मची है खलबली, हाथ नहीं लगा सियार

शिवगढ़ (रायबरेली) , एजेंसी। सियार के हमले के बाद ब्लॉक क्षेत्र में ग्रामीणों में दहशत कम नहीं हो रही। लोग बच्चों को अकेले घर से नहीं निकलने दे रहे हैं। वहीं मंगलवार की रात और बुधवार को वन विभाग की टीम ने गांव में दस्तक दी लेकिन एक भी सियार हाथ नहीं लगा। वन विभाग का दावा है कि सियार जंगल और खेतों में चले गए हैं। उन पर नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों को भी सतर्कता बरतने के लिए कहा गया है।

ओसाह, नयापुरवा, पाराखुर्द, तौली समेत अन्य गांवों में सियारों के हमले से लोगों में दहशत है। पांच दिन पहले ओसाह गांव के मनीष कुमार, नया पुरवा मजरे तौली के लवलेश, पाराखुर्द गांव की कनक दीक्षित, देवेश मौर्य पर सियार ने हमला कर दिया था। इसके बाद से ग्रामीणों में दहशत है।

यहां हालात ये हैं कि लोगों को घरों से निकलने में डर लग रहा है। ग्रामीण रामनिवास, रतनदीप, अविनाश ने बताया कि जब से सियारों ने हमला किया, तब से बच्चों को अकेले घर से बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। लोग भी लाठी-डंडा लेकर बाहर निकलने को मजबूर हैं। वन क्षेत्राधिकारी नावेद सिद्दीकी ने बताया कि चार टीमें गठित की गई है। दिन-रात गांवों में पहरेदारी कर रहे हैं। ग्रामीणों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

तीन भाइयों के घरों से लाखों के जेवर और नकदी चोरी

सहारनपुर , एजेंसी। नगर में मंगलवार रात चोरों ने तीन भाइयों के घरों से एक लाख रुपये की नकदी और करीब चार लाख रुपये के जेवर चोरी कर लिए गए। अन्य कीमती सामान भी चोरी हुआ है। चोरी का पता तब चला। इसके बाद मोहल्लेवासियों ने चोरों की तलाश में कांबिंग की, लेकिन चोरों का पता नहीं चला।

नगर के मोहल्ला शेखजादगान स्थित पैठ चौक निवासी ब्रिजेश पाल व उसके भाईयों मुनेश तथा प्रयास के मकान बगल-बगल स्थित हैं। बीती रात बिजली नहीं आने के कारण तथा इन्वर्टर डाउन होने पर ब्रिजेश पाल व उसके भाईयों के परिवार मकान की छत पर सो रहे थे। रात में करीब तीन बजे ऊपर सो रही एक महिला नीचे कमरे में किसी काम से आई। अंदर का नजारा देखकर वह दंग रह गई। कमरे में रखी अलमारी के दरवाजे खुले मिले। घर का सामान इधर उधर बिखरा था। महिला के शोर मचाने पर घर के सभी सदस्य नीचे आकर अपने-अपने कमरों में गए तो सभी कमरों में सामान बिखरा हुआ मिला। जांच करने पर पाया कि तीनों घरों से चोर बक्सों में रखे चार लाख रुपये मूल्य के जेवरात, अलमारी में धान बेचकर रखे एक लाख रुपये की नकदी सहित अन्य घरेलू सामान ले गए।

चोरी की घटना की जानकारी मिलते ही कॉलोनीवासी हाथों में लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंच गए और पुलिस के साथ मिलकर आस पास चोरों की तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित ब्रिजेश पाल ने थाने पर तहरीर दी है। चोरी की घटना को लेकर मोहल्लेवासियों में रोष है। उन्होंने पुलिस से रात्रि गश्त बढ़ाने की मांग की है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि चोरों ने बिजली कट के दौरान चोरी की घटना को अंजाम दिया है। उनका कहना है कि लगातार बिजली कटौती भी चोरों की आमद की वजह बनी है।

छात्रा की मौत के बाद सड़क जाम कर किया प्रदर्शन

बाराबंकी , एजेंसी। थाना क्षेत्र के पनिहल गांव की निवासी बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा की लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय में इलाज दौरान मौत हो गई। मौत की खबर गांव पहुंचने पर परिजन व ग्रामीण आक्रोशित हो गए। नाराज लोगों ने हैदरगढ-बाराबंकी मार्ग पर मेंहदीपुर हरख में सड़क पर जाम लगाकर दोषियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी दोनों सगे भाईयों पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर शीघ्र उनकी गिरफ्तारी का भरोसा दिला कर विरोध प्रदर्शन खत्म कराया। मृतका की मां ने मंगलवार को जैदपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था कि गांव निवासी दो भाईयों अभिषेक व अमन वर्मा ने उनकी पुत्री के कुछ आपत्तिजनक वीडियो बना लिए थे, जिन्हें वायरल करने की धमकी देकर उससे पैसे व जेवरात भी ले लिए थे।

हर ओर पानी: आगरा में चंबल खतरे के निशान के पार, कई गांव में भरा पानी...डूब गए मकान

आगरा , एजेंसी। पिनाहट घाट पर खतरे के निशान 130 मीटर को पार करते हुए चंबल का स्तर गुरुवार सुबह तक 133 मीटर तक पहुंच गया। चंबल में बाढ़ को देखते हुए नदी किनारे बसे गांव के लोगों ने अब अपने पशुओं के साथ सुरक्षित स्थानों पर जाना शुरू कर दिया है। लगातार चंबल में बढ़ रहे जलस्तर को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। बाढ़ चौकियों पर लेखपाल और कानूनगो की ड्यूटियां लगाई है। रात में तैनात रहने के लिए आदेश दिए गए हैं। 2019 और 2022 में चंबल नदी में आई भयंकर बाढ़ के चलते चंबल किनारे बसे गांव में समस्या उत्पन्न हो गई थी। वहीं, बाढ़ से सब कुछ तबाह हो गया था। फसलें पूरी तरह से नष्ट हो गई थीं। वहीं, इस वर्ष एक बार फिर चंबल नदी में बाढ़ के चलते ग्रामीणों की फसल पूरी तरह से चौपट हो गई है। बीहड़ी इलाके में पानी भर गया है। गांव कछियारा, डंगोरा, रेहा, बीच का पुरा, ऊपरी पुरा, उमरैठापुरा, भगवानपुरा, झरनापुरा, केंजरा, गोहरा ,भटपुरा, रानीपुरा आदि गांव के ग्रामीण रात जागकर काट रहे हैं। वहीं, प्रशासन की ओर से चंबल क्षेत्र के गांव में मुनादी कराकर सुरक्षित स्थानों को पहुंचने के लिए चेतावनी जारी की गई है।

बता दें बनास नदी बांध और कोटा बैराज से पानी लगातार डिस्चार्ज किया जा रहा है। बृहस्पतिवार से पानी घटने की उम्मीद जताई जा रही है। फिलहाल लगातार उफान जारी है। मंगलवार की देर शाम चंबल का जलस्तर 127 मीटर पर था जो की खतरे के निशान से तीन मीटर नीचे बह रहा था। लगातार चंबल का जलस्तर बनने से सिंचाई विभाग के अधिकारियों के आदेश पर नहर के प्रथम पंप हाउस के मुख्य गेट पर दीवार लगाकर बंद करा दिया है। बुधवार की दोपहर तक चंबल का जलस्तर खतरे के निशान 130 से ऊपर 131 मीटर तक पहुंच गया। वन विभाग और नहर विभाग के कर्मचारियों के अनुसार अभी और पानी बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

बीहड़ी इलाके के गांव में एसडीएम ने लिया जायजा

क्षेत्र के दर्जनभर गांवों में चंबल नदी की बाढ़ का पानी पहुंच गया, जिससे गांव के रास्ते बंद हो गए हैं। बुधवार को एसडीएम बाह हेमंत कुमार ने अपने अधीनस्थों के साथ क्योंरी, बीचकापुरा में स्थिति का जायजा लिया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की सलाह दी। सभी गांव में जलस्तर को लेकर मुनादी करा दी गई है। ग्रामीणों को नदी से दूर रहने के लिए कहा गया है। विभागों की ओर से 8 बाढ़ चौकिया बनाई गई हैं। अधीनस्थों को जरूरी दिशा निर्देश भी दिए हैं।

आशियाना बनाने के लिए ग्रामीण ढूंढ रहे सुरक्षित जगह

चंबल नदी का जलस्तर बढ़ने पर ग्रामपंचायत रेहा, उमरेठा, क्योंरी बीचकापूरा के किसान गांव के किनारे तक पानी पहुंचने पर परिवार गल्ला मवेशी को सुरक्षित रखने के लिए आशियाना बनाने के लिए सुरक्षित जगह ढूंढ रहे हैं। कस्बा चंबल मार्ग निवासी दो परिवारों के घरों को चंबल ने चारों तरफ से घेर रखा है, जिसकी वजह से रामप्रकाश और झब्बू ने मकान खाली करके दूसरी जगह रहने के लिए चले गए हैं। कछारों और खंदकों में पानी भर गया, जिसकी वजह से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, रेहा बरेड़ा पडुआपुरा विप्रावली उमरेठा, क्योंरी, बीचकापूरा, चंबल तलहटी में बाजरा फसलें जलमग्न हो जाने से किसानों ने नुकसान की आशंका जताई है।

डीएम और पुलिस उपायुक्त ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का लिया जायजा

चंबल में लगातार बढ़ रहे जलस्तर को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट दिखाई दे रहा है। 2019 और 2022 में आई बाढ़ जैसे हालात ना बन जाएं, जिसे लेकर प्रशासन हर संभव मदद के लिए तैयार है। चंबल नदी खतरे के निशान से एक मीटर ऊपर पिनाहट में बह रही है। जिसे लेकर बुधवार की शाम को जिलाधिकारी आगरा अरविंद मल्लप्पा बंगारी और पुलिस उपायुक्त आगरा रामबदन सिंह अधिनस्थों के साथ चंबल किनारे बसे गांवों में हलातों का ज्यादा लेने के लिए पहुंचे। यहां उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों को किसी भी प्रकार की कोई सुविधा न हो इसके लिए अधिनस्थों को जरूरी दिशा निर्देश दिए गए। चंबल नदी घाट पर स्थिति का जायजा लेने के दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि बाह तहसील के तीन गांव चंबल की बाढ़ से अभी प्रभावित हैं। गांव में आवागमन के लिए मोटर बोट की व्यवस्था की गई है। दो गांवों को पानी ने घेर लिया है। स्थिति को देखते हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जाएगा।

पानी बढ़ा तो होगा भारी नुकसान खतरे की आशंका

लगातार चंबल नदी में बढ़ रहे जलस्तर को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश सीमा के चंबल नदी किनारे बसे गांव के लोगों को प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने की अपील की गई है। बाढ़ चौकियों पर तैनात कर्मचारी चंबल के पानी पर निगाह बनाए हुए हैं। फिलहाल जिन गांवों के मुख्य मार्गों पर पानी भरने पर ग्रामीणों के आवागमन के लिए मोटरबोट शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम कैंप लगाने के लिए तैयार की गई है।

गंदे शौचालयों में दफन हुआ स्वच्छता का ख्वाब

पीलीभीत , एजेंसी। जहां सोच वहां शौचालय का स्लोगन तहसील सदर, अमरिया, बीसलपुर और पूरनपुर के परिसर में बने शौचालयों के सामने झूठा साबित हो रहा है। सदर और अमरिया तहसील के शौचालय कहीं ज्यादा गंदे हैं। गंदगी और दुर्गंध की वजह से लोग खुले में जाने को मजबूर हैं। बीसलपुर तहसील परिसर के एक सार्वजनिक शौचालय पर ताला लगा रहता है। तहसीलों के जिम्मेदार शौचालयों की स्थिति से बेखबर हैं। स्वच्छता स्लोगन लिखवाकर खुद की पीठ थपथपा रहे हैं।

शौचालय की गंदगी को लेकर शाहजहांपुर में तैनात एसडीएम की ओर से उठक-बैठक लगाने पर भले ही तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। मगर, हकीकत यही है कि तहसील और अन्य सरकारी कार्यालयों के शौचालय गंदे हैं। बुधवार को की गई पड़ताल में कई जगहों की हकीकत सामने आई। पीलीभीत सदर तहसील के तीनों तल पर सीढ़ियों के समीप ही पुरुष शौचालय बने हैं। निचले तल के शौचालय पान-पुडिया की पीक से रंगे हैं। गंदा पानी भी बहता रहता है। सिस्टर्न भी टूटा है। बुधवार की दोपहर करीब एक बजे दूसरे तल के शौचालय में ताला लगा था। तीसरे तल के शौचालय की स्थिति और ज्यादा खराब थी। इसके अलावा सभागार के समीप बने महिला शौचालय में ताला लगा था। पुरुष शौचालय में गंदगी थी। सदर तहसीलदार अर्ची गुप्ता ने बताया कि जल्द ही साफ सफाई और अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त कराई जाएंगी।

साइबर फ्रॉड में 15 से 20 मिनट का होता है गोल्डन टाइम... 1930 पर कॉल करें, तत्काल फ्रीज किए जाएंगे खाते

लखनऊ , एजेंसी। यूपी डीजीपी राजीव कृष्ण ने कहा कि किसी के साथ भी साइबर फ्रॉड होने पर पीड़ित को गोल्डन टाइम यानी 15 से 20 मिनट के अंदर 1930 पर कॉल करनी चाहिए। इस दौरान जालसाजों के खाते तत्काल फ्रीज कर दिए जाएंगे।

साइबर अपराध के बढ़ते मामलों पर नियंत्रण और लोगों को त्वरित मदद पहुंचाने के लिए लखनऊ के कल्ली स्थित डीसीपी साउथ के कार्यालय में कॉल सेंटर खोला गया है। डीजीपी ने इसका शुभारंभ किया। पहले ही दिन कॉल सेंटर पर छह हजार से ज्यादा शिकायतें आईं। हेल्पलाइन नंबर 1930 पर प्रदेशभर से लोग फोन कर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। डीजीपी ने बताया कि हेल्पलाइन नंबर 1930 प्रभावी ढंग से कार्य करे, इसके लिए 30 सीट का एक्सटेंशन सेंटर खोला गया है। डीजीपी ने कहा कि साइबर अपराध पर नियंत्रण के लिए 15 पुलिस अधिकारियों को साइबर कमांडो की ट्रेनिंग दी गई है। प्रयास है कि उपनिरीक्षक भी साइबर मामलों की छानबीन कर सकें।

चकबंदी विभाग के बाबू की आत्महत्या

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश चकबंदी निदेशालय मिनिस्ट्रियल कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष व चकबंदी मुख्यालय में तैनात बाबू आशियाना सेक्टर-जे निवासी राजकुमार सिंह (52) की मौत के मामले में पुलिस को सबसे पहली सूचना उनके कार चालक ने दी। चालक की सूचना पर परिजन भी शहीद पथ स्थित उनके प्लॉट पर पहुंचे। प्लॉट में बने कमरे के अंदर उनका शव पड़ा था। उनके सिर में गोली लगी थी और दाहिने हाथ में रिवॉल्वर था। डीसीपी साउथ निपुण अग्रवाल ने बताया कि प्रथम दृष्टया राजकुमार सिंह की मौत आत्महत्या लग रही है। उनके पास से एफएसएल टीम को सुसाइड नोट मिला है। नोट में उन्होंने खुद को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। उनके पास से मिली रिवॉल्वर लाइसेंसी लगी रही है। एफएसएल टीम ने रिवाल्वर व सुसाइड नोट को जांच के लिए भेजा है। उधर, परिजनों का कहना है कि राजकुमार सिंह के पास लाइसेंसी असलहा नहीं था। उसके पास रिवॉल्वर कहां से आया, किसी को कुछ नहीं पता।

परिजनों को भी नहीं पता, राजकुमार के पास कहां से आया रिवॉल्वर

ज्योतिष के ज्ञाता थे राजकुमार सिंह: राजकुमार सिंह पूर्व सांसद धनंजय सिंह व पूर्व राज्यमंत्री राणा अजीत सिंह के करीबी भी थे। घटना की जानकारी पर ये दोनों भी मौके पर पहुंचे। लोगों ने बताया कि राजकुमार सिंह ज्योतिष के ज्ञाता थे। अधिकारियों से लेकर राजनेता तक उनकी राय लेकर काम करते थे। परिजन व उनके परिचितों का कहना है कि राजकुमार सिंह आत्महत्या नहीं कर सकते हैं। आत्महत्या के पीछे कोई वजह भी नहीं है। राजकुमार सिंह के परिवार में पत्नी किरन और बेटा शशांक व बेटी अंजली हैं।

नगर आयुक्त के सार्थक प्रयासों से ओएलएफ से स्ट्रीट वेंडर्स हुए शिफ्ट

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के निर्देशों एवं सार्थक प्रयासों के फलस्वरूप रामघाट रोड स्थित अवर लेडी फातिमा स्कूल (ओएलएफ) और सैंट फिडेलिस स्कूल के पास वर्षों से ट्रैफिक अव्यवस्था का कारण बन रहे स्ट्रीट वेंडर्स को एक सुव्यवस्थित वेंडिंग जोन मेंसफलतापूर्वक शिफ्ट कर दिया गया है।

यह कदम शहरवासियों की सुविधा और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है। नगर निगम द्वारा ओएलएफ स्कूल के पास अवैध रूप से अतिक्रमण कर बैठे स्ट्रीट वेंडर्स को हटाकर पराग डेरी के पास बने वेंडिंग ज़ोन में पुनर्स्थापित किया गया है। इस कार्यवाही से न केवल अवंतिका कॉलोनी व ओएलएफ मोड़ पर सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित हुई है, बल्कि स्थानीय नागरिकों को लंबे समय से चली आ रही परेशानी से राहत मिली है।

नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने स्वयं वेंडिंग ज़ोन का औचक निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया कि सभी वेंडर्स को व्यवस्थित ढंग से स्थान आवंटित किया गया है और वे निर्धारित स्थान से ही अपना व्यापार संचालित करें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि ओएलएफ क्षेत्र में अब किसी भी दशा में दोबारा स्ट्रीट वेंडिंग की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने उप नगर आयुक्त अमित कुमार सिंह को निर्देशित किया है कि इस क्षेत्र में नगर निगम का प्रवर्तन दल 24×7 राउंड-द-क्लॉक गश्त करता रहे ताकि पुनः अतिक्रमण की स्थिति न उत्पन्न हो।

साथ ही, यदि कोई स्ट्रीट वेंडर इस आदेश की अवहेलना करता पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध न केवल कड़ी आर्थिक दंड की कार्रवाई की जाएगी बल्कि उसका सामान भी ज़ब्त किया जाएगा। नगर आयुक्त ने कहा कि यह केवल अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं है, बल्कि रोजगार के विकल्प को संरक्षित रखते हुए शहर की ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने का प्रयास है। अवर लेडी फातिमा व सैंट फिडेलिस जैसे प्रतिष्ठित स्कूलों के सामने सड़क को साफ, सुरक्षित और जाम-मुक्त बनाना हमारी प्राथमिकता है। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा यह कार्यवाही अलीगढ़ नगर निगम की "स्वच्छ अलीगढ़, स्वास्थ अलीगढ़ अभियान के अंतर्गत की गई है। नगर निगम के साथ सहयोग करते हुए शहर को अतिक्रमण मुक्त व सुव्यवस्थित बनाए रखने में भागीदार बनें।

ट्रिपिंग व अघोषित कटौती से गहराया बिजली संकट

बाराबंकी , एजेंसी। बिजली निगम के तमाम दावों के बाद भी शहरी व ग्रामीण इलाकों की बिजली व्यवस्था पटरी पर नहीं आ पा रही है। ट्रिपिंग व अघोषित कटौती के कारण गहराए बिजली संकट के कारण मंगलवार रात से लेकर बुधवार शाम तक शहरी क्षेत्र के साथ ही दो सौ गांव क्षेत्रों के लोगों को आपूर्ति बाधित होने से परेशान उठाना पड़ी। शहर के मोहल्ला कोठीडीह में इंसुलेटर में खराबी आने से हनुमंत नगर व कोठी मोहल्ले में मंगलवार रात करीब दो घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। वहीं, कंपनीबाग, नेहरू नगर और सिविल लाइन में बुधवार दोपहर बाद चार बार लाइन ट्रिप हुई। अधिशासी अभियंता घनश्याम त्रिपाठी का कहना है, कि बारिश के दौरान 10 मिनट के लिए लाइन ट्रिप हुई थी। अगर फाल्ट होता है तो तुरंत दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए हैं। फतेहपुर क्षेत्र में मंगलवार रात आठ बजे धमसड़ व निंदूरा के पास पेड़ गिरने से बिजली का खंभा टूट गया और तार जमीन पर बिखर गए। इससे हसनपुर टांडा, मझगवा, तिलरन, दौलतपुर, बिलौली, हजरतपुर, बसारा सहित करीब 150 गांवों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। बुधवार सुबह करीब दस बजे बिजली आपूर्ति शुरू हो सकी। इससे करीब दो लाख की आबादी को रातभर अंधेरे में रहना पड़ा। कस्बों में भी हालात खराब रहे। फतेहपुर कस्बे में मंगलवार रात आठ बजे सप्लाई बंद हो गई जो बुधवार सुबह तीन बजे तक बाधित रही। इससे लगभग एक लाख लोग प्रभावित हुए। हैदरगढ़ क्षेत्र के सुबेहा, रामपुर, बेहटा और अमान सिंह का पुरवा समेत 20 गांवों की बिजली आपूर्ति मंगलवार रात 10 बजे से बुधवार सुबह 11 बजे तक ठप रही। कस्बा हैदरगढ़ में भी तीन बार बिजली गुल हुई।

आगरा में सबसे महंगी और सस्ती राखी

आगरा, एजेंसी। रक्षाबंधन पर इस बार बहनें भाई की कलाई पर 70 हजार रुपये की राखी बांधने वाली हैं। सोने से बनी इन राखियों की मांग इतनी ज्यादा है कि त्योहार के 10 दिन पहले ही स्टॉक अनुपलब्ध हो गया है। चांदी की बनी राखी की मांग भी जोरों पर है।

बाजार में महिलाओं के लिए खास कलकत्ता वाली राखियां आई हैं। इनमें जर्किन राखी, आर्टिफिशियल डायमंड की राखी और परफ्यूम वाली राखियां खास हैं। इनकी कीमत 300 से 400 रुपये है। इसके अलावा बच्चों के लिए उनके पसंदीदा कार्टून की राखियों की भरमार है। छोटा भीम, डोरेमॉन, हनुमान, दीपा पिग, बेन टेन ब्रदर और की-चेन की राखियां उपलब्ध हैं। जो 20 से 50 रुपये तक की हैं।

सोने और चांदी की राखी : सराफ व्यवसायी रिंकू बंसल ने बताया कि सोने और चांदी से बनी राखियों की मांग काफी अधिक है। इस बार हमने सोने-चांदी की राखियां कोयम्बटूर से मंगाई हैं। सोने में हमारे पास 30 से लेकर 70 हजार रुपये तक की राखियां थीं। जिनका वजन सवा सात ग्राम तक था। सारा माल खत्म हो गया है। ग्राहकों की डिमांड के अनुसार ही अब राखियां तैयार कराई जा रही हैं।

राखी में कई वैरायटी : सराफ एसोसिएशन के अध्यक्ष नीतेश अग्रवाल का कहना है कि सोने के साथ चांदी की राखियों की भी अच्छी मांग है। इसमें रुद्राक्ष, डमरू, शिवलिंग, तिलक, त्रिशूल, ओम और शिवा नाम की राखी खास हैं। इनका वजन 7 ग्राम से 25 ग्राम तक है, जिनकी कीमत 700 से 2800 रुपये तक है।

महंगाई में भी सस्ती राखियां : खंदारी निवासी तृप्ति गर्ग ने बताया कि बाजार में महंगाई अपने चरम पर है, इसमें भी राखियां सस्ती हैं। मैंने अपने लिए सादा राखी ली है। बच्चों के लिए हनुमान और डोरेमॉन की राखी ली है।

लुंबा राखी की धूम : राखी विक्रेता इशांत गुप्ता का कहना है कि हमारे पास लुंबा राखी में कई तरह की वैरायटी हैं। इसमें कई आकर्षक राखियां हैं। इनकी कीमत 50 से 150 रुपये तक है। लुंबा राखी भैया-भाभी के लिए होती हैं।

केएल राहुल को मिलेगी कप्तानी

- 25 करोड़ रुपये भी मिलेंगे?
- भारत-इंग्लैंड सीरीज के बीच आई चौंकाने वाली खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। केएल राहुल का बल्ला इंग्लैंड में जमकर रन उगल रहा है वो सीरीज में दो शतक लगा चुके हैं और इसी बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जो सच में चौंकाने वाली है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक केएल राहुल आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की जगह कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेल सकते हैं. ऐसा बताया जा रहा है कि केकेआर की टीम उन्हें हर हाल में ट्रेड के जरिए अपने स्क्वाड में चाहती है. केएल राहुल को दिल्ली कैपिटल्स ने 14 करोड़ रुपये में खरीदा था और उन्होंने 13 पारियों में 539 रन बनाए थे. केएल राहुल को केकेआर इसलिए खरीदने के मूड में दिख रही है क्योंकि उसे एक कप्तान की जरूरत है. पिछले सीजन उसका नेतृत्व अजिंक्य रहाणे ने किया था, टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पाई और उसका प्रदर्शन खराब रहा लेकिन अब केकेआर बड़े बदलाव के मूड में है. इसलिए वो केएल राहुल को टीम में लाकर उसे कप्तान बनाना चाहती है. मीडिया रिपोर्ट्स तो यहां तक हैं कि केएल राहुल के लिए केकेआर 25 करोड़ रुपये तक खर्च करने को तैयार है.केएल राहुल सिर्फ अच्छे बल्लेबाज ही नहीं, वो कप्तान और विकेटकीपर की भूमिका भी निभा सकते हैं ऐसे में केकेआर उनके लिए इतनी बड़ी रकम देने को भी तैयार बताई जा रही है.

केकेआर ने पैरों पर मारी कुल्हाड़ी?

केकेआर ने आईपीएल 2025 ऑक्शन से पहले अपने पैरों में कुल्हाड़ी मार ली थी. दरअसल उसने टीम को तीसरा आईपीएल जिताने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को ही रिटेन नहीं किया नतीजा ये खिलाड़ी पंजाब किंग्स का कप्तान बन गया. अय्यर के जाने से केकेआर को बड़ा नुकसान हुआ. सबसे पहले उसका कप्तान बदला जिसके बाद टीम का खेलने का तरीका भी बदल गया. टीम 14 में से 5 ही मैच जीत पाई.

अब आईपीएल 2026 से पहले उसने हेड कोच चंद्रकांत पंडित को भी हटा दिया है. कभी इस टीम की गेंदबाजी यूनिट को मजबूत बनाने वाले भरत अरुण भी लखनऊ का हाथ थाम चुके हैं. अब केकेआर किसी तरह केएल राहुल को टीम में लाकर अपनी टीम का बैलेंस बनाने की तैयारी में है. सवाल ये है कि क्या दिल्ली कैपिटल्स केएल राहुल को रिलीज करेगी, फिलहाल इसका जवाब शायद ना ही होगा.

मालामाल हुआ इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड

11334 करोड़ रुपये...काव्या मारन की टीम का दिखेगा जलवा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग का दबदबा पूरी दुनिया में है. इस लीग में खेलने के लिए हर खिलाड़ी बेताब रहता है. दुनिया की सबसे महंगी इस लीग में हिस्सा लेने वाली टीमों का दायरा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है. इन टीमों के ओनर अब दूसरे देशों के टी20 लीग में निवेश कर रहे हैं. इससे उन देशों के बोर्ड को भी करोड़ों की कमाई हो रही है. इसी कड़ी में इंग्लैंड की एक लीग में आईपीएल की चार टीमों के ओर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने दी है.

इस निवेश स ईसीबी को 11334 करोड़ रुपये की कमाई भी हुई है. इस दौरान काव्या मारन की टीम का इंग्लैंड में जलवा दिखाई देगा. इंग्लैंड की लीग 'द हंड्रेड' में आईपीएलके चार

टीमों के ओनर ने निवेश किया है. इसकी जानकारी देते हुए ईसीबी ने बताया कि निवेश करने वालों में भारत की जीएमआर (दिल्ली कैपिटल्स के को-ओनर), सन टीवी नेटवर्क लिमिटेड (सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर), आरपीएसजी समूह (लखनऊ सुपर जायंट्स के ओनर) और रिलायंस समूह (मुंबई इंडियंस के ओनर) शामिल हैं. ईसीबी ने बताया कि इससे उन्हें 975 मिलियन पाउंड (करीब 11 हजार 3 सौ 34 करोड़ रुपये) की कमाई हुई है. इंग्लैंड बोर्ड ने बताया कि दो और साझेदारों की बाद में औपचारिक रूप से पुष्टि हो जाएगी.

इससे पहले मुंबई इंडियंस, लखनऊ सुपर जायंट्स और सनराइजर्स हैदराबाद के ओनर साउथ अफ्रीका की टी20 लीग की टीमों को खरीद चुके हैं. द हड्रेड लीग में इन सभी को अक्टूबर से संचालन का हक मिल जाएगा.

काव्या मारन ने इस टीम को खरीदा

इसके अलावा सनराइजर्स हैदराबाद की मालकिन काव्या मारन की सन टीवी नेटवर्क ने नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स टीम को खरीद लिया है, उन्होंने 100 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की है. इससे पहलेओनर ने साउथ अफ्रीका में खेली जाने वाली टी-20 में भी सनराइजर्स ईस्टर्न कैप की टीम को खरीदा था. इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स टीम के को-ओनर जीएमआर ग्रुप को द हंड्रेड की टीम सदर्न ब्रेव में 49 फीसदी हिस्सेदारी मिली है, वहीं मुंबई इंडियंस के ओनर मुकेश अंबानी की रिलायंस ग्रुप को ओवल इनविंसिबल्स टीम की 49 हिस्सेदारी मिलेगी, जिसको लेकर जल्द ही ऐलान किया जाएगा. द हंड्रेड लीग की शुरुआत 5 अगस्त से लॉर्ड्स के मैदान में होने जा रही है.

युजवेंद्र चहल ने इंग्लैंड में मचाया कहर

काउंटी चैंपियनशिप में डर्बीशायर के खिलाफ चटकाए 6 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी की राह देख रहे स्पिनर युजवेंद्र चहल ने काउंटी चैम्पियनशप में शानदार गेंदबाजी की. नॉर्थहैम्पटनशायर के लिए खेलते हुए उन्होंने डर्बीशायर के खिलाफ 5 विकेट हॉल किया. ब्लेयर टिकनर का विकेट लेकर उन्होंने पारी में अपना छठा विकेट हासिल किया. उन्होंने इस पारी में सबसे अधिक ओवर (33.2) भी डाले. नॉर्थम्प्टन में खेले जा रहे इस मैच में डर्बीशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया. हैरी केम (17) के रूप में युजवेंद्र चहल ने अपना पहला विकेट लिया, उन्होंने केम को एलबीडबल्यू आउट किया. इसके बाद उन्होंने सलामी बल्लेबाज लुइस रीस (39) के रूप में ब?ा विकेट चटकाया. लुइस कैच आउट हुए. चहल ने बेन एचिसन को आउट कर पारी में 5 विकेट हॉल किया. एचिसन 45 रन बना चुके थे, वह अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे तब भारतीय स्पिनर ने उन्हें बोल्ड किया. पारी का आखिरी और अपना छठा विकेट चहल ने ब्लेयर टिकनर का लिया. चहल ने पारी में सबसे अधिक 33.2 ओवर डाले, इसमें उन्होंने 3.54 की इकॉनमी से 118 रन दिए.

नागपुर लौटीं विश्व महिला शतरंज चैंपियन दिव्या, परिवार और कोच को दिया जीत का श्रेय

नागपुर, एजेंसी। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 जीतकर दिव्या ने इतिहास रच दिया है। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं। खिताब जीतने के बाद दिव्या बुधवार रात अपने गृह नगर नागपुर लौटीं, जहां एयरपोर्ट पर उनके परिवार और प्रशंसकों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। फिडे महिला शतरंज विश्व कप 2025 चैंपियन दिव्या देशमुख बुधवार को अपने गृह नगर नागपुर लौटीं। नागपुर लौटने पर उन्होंने अपनी बड़ी जीत का श्रेय अपने परिवार और पहले कोच राहुल जोशी को दिया। नागपुर एयरपोर्ट पर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनके परिवार के साथ-साथ प्रशंसक भी बड़ी संख्या में मौजूद थे। महाराष्ट्र शतरंज संघ के अध्यक्ष परिणय फुके भी इस मौके पर मौजूद रहे। 19 वर्षीय दिव्या ने सोमवार को महिला विश्व कप जीतकर इतिहास रच दिया। वह यह खिताब जीतने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई। उन्होंने जॉर्जिया के बटुमी शहर में खेले गए ऑल-इंडियन फाइनल में अनुभवि कोनेरू हम्पी को टाई-ब्रेकर मुकाबले में हराया।

मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई: दिव्या देशमुख ने नागपुर पहुंचने पर कहा कि मुझे यह स्नेह पाकर बहुत खुशी हुई। यह देखकर अच्छा लग रहा है कि इतनी भीड़ मेरा स्वागत करने के लिए यहां इक्ट्ठा हुई है। मैं बहुत खुश हूं।

मेरे पहले कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं: दिव्या देशमुख ने अपनी जीत का श्रेय अपनी बहन, परिवार के सदस्यों और अपने पहले कोच राहुल जोशी को दिया। उन्होंने कहा, मेरे पहले कोच चाहते थे कि मैं ग्रैंड मास्टर बनूं, मैं इस जीत का श्रेय उन्हें देती हूं।

दिव्या के परिवार के सदस्यों ने उपलब्धि की सराहना की : दिव्या देशमुख के परिवार के सदस्यों ने उनकी उपलब्धि की सराहना की और कहा कि उन्होंने परिवार, नागपुर, महाराष्ट्र और भारत को गौरवान्वित किया है। इस चैंपियन खिलाड़ी की चाची स्मिता देशमुख ने पत्रकारों से कहा, हम बहुत खुश हैं कि दिव्या ने हमारे परिवार, नागपुर और भारत को गौरवान्वित किया है। भारत ने इतने वर्षों बाद यह महिला शतरंज विश्व कप जीता है।

- दो अगस्त को सीएम फडणवीस और केंद्रीय मंत्री गडकरी करेंगे सम्मानित

किशोरावस्था की चैंपियन दिव्या ने कहा कि ग्रैंड स्विस टूर्नामेंट में भाग लेने से पहले वह कुछ दिन आराम करेंगी। दिव्या को दो अगस्त को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री व नागपुर सांसद नितिन गडकरी सम्मानित करेंगे।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अंडर-19 भारतीय टीम घोषित

वैभव सूर्यवंशी को भी फिर से मिली जगह; सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में शामिल किया गया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड दौरे पर भी मिली थी वैभव को जगह वैभव इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में टेस्ट सीरीज खेल चुके हैं और इंग्लैंड दौरे पर भी शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड में उन्होंने 5 वनडे मैचों में 355 रन बनाए, जिसमें एक शतक

शामिल था। वैभव ने 52 गेंदों में शतक बनाकर रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था। 21 सिंतबर को खेला जाएगा पहला वनडे इंडिया अंडर 19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच पहला वनडे मैच रविवार (21 सितंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार (24 सितंबर) को होगा जबकि तीसरा वनडे मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में टकराएंगी।

सीरीज का पहला चार दिनी टेस्ट मैच 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेला जाएगा। जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेला जाएगा। तीनों वनडे नॉर्थेम्प्टनशॉयर में खेला जाएगा जबकि पहला टेस्ट भी इसी वेन्यू पर खेला जाएगा वहीं दूसरा टेस्ट मैक्के में आयोजित होगा।

शौक ने ले ली जान! पाकिस्तान में 2 बार की ओलंपिक चैंपियन जर्मन खिलाड़ी की 18700 फीट से दर्दनाक मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। बता दें कि डाहलमीयर एक अनुभवी पर्वतारोही थीं। वह जून के अंत से उत्तरी पाकिस्तान क्षेत्र में थीं और पहले ही ग्रेट ट्रांगो टॉवर पर चढ़ चुकी थीं। उनके गिरने वाले क्षेत्र में पिछले एक सप्ताह से मौसम काफी खराब चल रहा था, जिसमें बारिश, तेज हवाएं और घने बादल थे। बता दें कि पाकिस्तान के लैला पीक पर पर्वत चढ़ना सबसे मुश्किल माना जाता है। इसके टॉप पर अभी तक सिर्फ सात पर्वतारोहियों ने ही सफलतापूर्वक चढ़ाई की है। वहीं डाहलमीयर के करियर की बात करें तो उन्होंने अपने दोनों गोल्ड मेडल साउथ कोरिया के प्योंगचांग में 2018 शीतकालीन ओलंपिक में जीते थे। उन्होंने स्प्रिंट और परस्यूट इवेंट में गोल्ड मेडल जीते थे, जबकि उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल भी जीता था। जर्मन एथलीट ने मई 2019 में संन्यास की घोषणा कर दी थी।

ओलिंपिक 2028 से बाहर हो सकते हैं पाकिस्तान-न्यूजीलैंड

नई दिल्ली, एजेंसी। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में क्रिकेट को तीसरी बार जगह मिली थी। इससे पहले इसे 2010 और 2014 में शामिल किया था। 2023 में खेले गए एशियन गेम्स में भारतीय क्रिकेट टीम ने गोल्ड जीता था, यह फोटो उसी समय की है।

लॉस एंजिल्स ओलिंपिक 2028 में पूर्व टी-20 वर्ल्ड चैंपियन पाकिस्तान और न्यूजीलैंड की पुरुष टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो सकती हैं। इसका मुख्य कारण इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल द्वारा ओलिंपिक क्वालिफिकेशन के लिए निर्धारित क्षेत्रीय योग्यता प्रणाली है। 128 साल बाद 2028 ओलिंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जिसमें मेंस और विमेंस टीमें टी-20 फॉर्मेट में हिस्सा लेंगी।

शेल्टन ने टोरंटो ओपन में मन्नारिनो को हराया, हार्ड कोर्ट पर रुबलेव की 250वीं जीत

टोरंटो, एजेंसी। बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के अपने पहले मैच में एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया। शेल्टन ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी 25वीं जीत दर्ज की। 22 वर्षीय बेन शेल्टन फिलहाल पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर हैं। वह पिछले 10 में से 8 मुकाबले जीत चुके हैं। चौथे वरीय अमेरिकी खिलाड़ी ने एटीपी स्टैट्स के अनुसार अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत (28 में से 31) अंक जीते और जिन दो ब्रेक प्वॉइंट्स का सामना किया, उन्हें भी बचा लिया।

इसके साथ ही उन्होंने फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी स्तर पर तीसरे आमने-सामने के मुकाबले में पहली जीत हासिल की। शेल्टन ने मैच के बाद कहा, आखिरी गेम में थोड़ा तनाव जरूर था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अंत तक संयमित रहा और ब्रेक प्वॉइंट पर भी सर्व करते हुए मैच को खत्म कर पाया। अब

शेल्टन का अगला मुकाबला 25वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से होगा, जिन्होंने हमवतन खिलाड़ी एथन क्विन को 7-6(6), 6-4 से हराया।

टोरंटो में इस फोर्टनाइट के दौरान शेल्टन अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश में हैं। एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं। इस साल वह निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने की ओर बढ़ रहे हैं।

इससे पहले, आंद्रे रुबलेव ने ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर हार्ड कोर्ट पर अपने करियर की 250वीं जीत दर्ज की। 27 वर्षीय रुबलेव ने गैस्टन के खिलाफ 19 विनर्स और 17 अनफोर्स्ड एरर्स के साथ मुकाबला समाप्त किया और तीसरे दौर में प्रवेश किया। छठे वरीय रुबलेव ने पिछले साल इसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में फाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें एलेक्सी पोपिरिन से हार का सामना करना पड़ा था।